॥ श्रीः ॥

नटनागर विनोद

श्रीयुतमाहाराजकँवार

रत्नसिंहजीकृत

श्रीकृष्णदासात्मज

गंगाविष्णु, और खेमराज

इनके

श्रीवेंकटेश्वरयंत्रालयमें

छापागया

मुंबई.

संवत् १९४४

श्रीगणेशायनमः ।
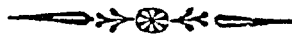
यह ग्रंथ मालवदेशाधीश प्रजापालनतत्पर माहाराजाधिराज माहाराज श्री १०८ श्री राजसिंहजी सीतामहुराजधानीसिंहासनस्थके पुत्र महाराजकुमार रसिकशिरोमणी सुयशके अकूपार यथोक्तः

॥ दुहा ॥ सियापुरी काशीपुरीः, सिद्धदाससारूप॥विस्व नाथराजङ्छत्रपत, रतनगजाननरूप ॥१॥
बुंदीके कविराजा मिश्रण सुर्यमलजी कृत कवित्व

मालवके मुकुटकुमाररतनेसतेरोः जसवहुरूप स्वाँगआनतनटाँनकेः ॥ व्यालव्हेधराकोधूतधारेधवलीयकरः मरालव्हेमुरेनबोझब्रह्माकेविमानके ॥ हिमकरव्हेकेंभवभालवनिबेठोवीरः कंबूव्हेकेअधरअँगोछेभगवानकेः ॥ मल्लीमालतीव्हेछत्रधारिनकोछोगावनेः मोतीव्हेमिजाजीमुषचूमेंमहिलानके ॥ १ ॥

इत्यादि गुणविशिष्ट महाराजकुमार श्री श्री १०५ श्री रत्नसिंहजी विरचित नटनागरविनोदनामसंमत १९१० में समादाहुवाः

॥ दुहाः ॥ भूपदासदैसिकसुषद,कीनचंद्रिकाग्रंथ ॥ रत्नकवँरतिहिंसंगतें,लह्योजुसाहितपंथ॥ १ ॥

अरु संमत १९२० माघशुद्ध ३ के दिन यशःशरीकों यालोकमें छोडी आप श्रीकृष्णासायुज्य कों पधारे तत्पश्चात् ॥ अधुना देशांतरस्थ महाशयोंकी ईसग्रंथपें अति अपेक्षा अरु पुस्तकोंकी अलभ्यता देषिकें इसी राजधानीके अमात्य कायस्थकुलावतंस पंचोली उपनामक प्रथीराजात्मज लालाहुलासरायानुज सज्जनवल्लभ हरिहरभक्तिपरायण लालाचाँदरायजी अपने स्वामिके यश विशेषप्रकाशकी वांछाकेलिये इस ग्रंथको माहाराजाधिराज माहाराज श्री १०८ श्री बहादुरसिंहजीकी समयमें मुकाम मुंबईमध्ये गंगाविष्णुश्री

कृष्णदासजीके वेंकटेश्वरयंत्रालयमें संमत १९४४ में छपवाया

दुहाः॥ कवितारतनकुँवारकृत, सीतामउसूवासः।
चांदरायचितयोंचह्यो, प्रभुजसकरनप्रकासः॥१॥

॥ श्रीः ॥

श्रीश्री १०८ श्रीमहाराज

कुमाररत्नसिंहजीकृत

नटनागरविनोदप्रारंभः
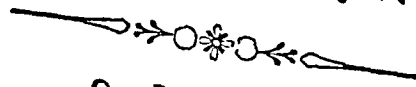
श्रीगणेशायनमः

सवैया जायजपोंनिजजीहहुतें ततोकर्म अनेकनतेंतुतराहूं आपअमापरुथापउथाप मेंपापअनेकहिकोपुतराहुं ॥ सुथराहुंसदैवप्रपं चकेस्वांगमें औरसुकर्मनतेंउतराहूं दीनहोंदी नहोंदीनमहा नटनागरकेदरबारपराहूं ॥ १ ॥

दुहा काहूंकहिकैंनालयो॥गुरुमहिमाकोपा र॥ यूंविचारिकेसेंरहूं ॥ तदपिलिखूंहियहार १

छंदछपय जयगुरुश्रूपदिनेसजगतपा स्वंडविहंडन ॥ जयगुरुश्रूपदिनेसतिमरअघजु ष्वविहंडन ॥ जेयगुरुश्रूपदिनेस सुजसपंक जसुखमंडन ॥ जयगुरुश्रूपदिनेस ॥ दुष्टमत बुद्धीदंडन ॥ जयजयतिश्रूपअकरनहरन ॥ क रनकरावनदासकह ॥ जयजयदिनेसअग्यान हर ग्यानकरनअग्यानजह ॥ ३ ॥ जयजयश्री गुरुश्रूपदासनिजपंथहलावन ॥ जयजयश्रीगु रुश्रूपच्यारजुगधर्मचलावन ॥ जयजयश्रीगु रुश्रूप बालबुद्धीबुधदावन जयजयश्रीगुरुश्रूप दासकेकुकृतनसावन ॥ जयजयतिश्रूपव्यापक अखिलसुगुनदेनअवगुनहरन ॥ जयजयति श्रूपपंकजचरन ॥ जगवंदनतारनतरन ॥ ४ ॥ जयश्रीगुरुजगजनक ॥ श्रष्टिजडचेतनकरता

रंगरिझायलई हमसांवेरेरंगकीरीझनहारी ॥
॥ ३० ॥ कैहेंमहाउपहासहहा गुरुलोगसभा
बिचकाविधजेहें ॥ जेहेंनहीतोवँहीकुलकांनरु
बांनपरेंपरकोसिषदेहें ॥ देहेंललानटनागरके
सिर अंककलंककोसंकनपेहें ॥ पेहेंकहासुन
याब्रजमें दिनएकयाह्वेकमेंजाहरह्वेहें ॥ ३१ ॥
चवायकेयेब्रजलोगलवार ॥ हंसेसोहँसेसोहँ
सेईहँसे ॥ फिरवाजेतेंबाँसुरीनेहकेफंद ॥ फसे
सुफसेसुफसेहीफसे ॥ चषहीतेंलषेंनटनागर
हीय ॥ वसेसुवसेसुवसेईवसे ॥ कुलकाँनरुलो
गकीलाजभटु ॥ सोनसेसोनसेसोनसेहीनसे
॥ ३२ ॥ तुम्काहेकोंझोरकरोइतनी ॥ नहि
काजहेंलाजहियेमढिवेकी ॥ नीतअनीतनमां
नतहूँ ॥ दरकारनप्रीतविनापढिवेकी ॥ वदना

मिकेसिंधुमेंबूडचुकी ॥ नटनागरकौंनकहैकढि
वेकी॥डाकनवासोचव्योसिरपें॥जबलाजकहा
षरकेचढिवेकी ॥ ३३ ॥ भोरहिआएहोभागब
डे ॥ अदभूतदसानटनागरवारी ॥ कुंकुमजाय
लग्योउरपेंरुललाटलगीहेरीरेषनकारी ॥ आं
षनलालरुलागेनषछत ॥ आंगीकीटूटगईक
सन्यारी पेचषुलेजमुहातचले ॥ यहँभांतिक
हातुमकुंजबिहारी ॥ ३४ ॥

कवित्त प्रातअलसातगातआलसउनीदे
आत ॥ झूमतझुकातवातपियेमनुहालाके ॥ पे
चफहरातसीसजावकलषातभालपीतपटलुटे
संगजागेब्रजबालाके॥ काहेकोंछिपातइतनीक
हमजानीजात ॥ चिन्हउपटातउरविनागुनमा
लाके ॥ नटनागरठोरठोरदेषिएतनकओर ॥

ललीमुषदागज्यूंहीदागमुषलालाके ॥ ३५ ॥
कांनतर्कैचुरीनपें चुरीनकेफंदरचे बनसीअल
कनेंनमीनगिरधारीके ॥ हिर्नमनकेसपासवा
गरविथुररही अंगियांरीभरेपेंअनारीराधाप्या
रीके ॥ भोंहधनुचक्रनथचीताकटिनेंनबाज
नरकोईलाजकेसोकाजहरेनारीके ॥ नटनागर
काननअधीरकियेबाढिचले जोबनकेराजसा
जमदनसिकारीके ॥ ३६ ॥

सवैया कीजेसबेंनटनागरउद्धम ॥ तो
सेअन्याईकोंकोनपतीजे ॥ तीजेसुनीजबधू
वाप्रीत ॥ कछुविभचारकोमारगलीजे ॥ लीजे
सबेंसुननेहकीरीति ॥ सुगोकुलमेंपगफूंकके
दीजे ॥ दीजेगंवाययूंहायबलायलों॥क्योंअस
नाहकोंजाहरकीजे ॥ ३७॥ नहीसुतमातपि

ताअपनेंघर ॥ नेहमेंभूलगईसोगई॥व्रजमेंयह टेरकस्योअबतें॥कुलकांनकोंसीषदईसोदई ॥ नटनागरयाअपलोककिगांठिमें ॥सीसपेंतोक लईसोलई ॥ सबगामकेवावरेनामधरोहम ॥ स्यामसनेहीभईसोभई ॥ ३८ ॥ नटनागरबा लसपीकोंकस्यो ॥ अरीवांसुरील्यावरीमेंनहि ल्यावों ॥ आवरीआवकाकामहेंजू ॥ तुमवांही रहोकितोंगारी॥सुनावोंनहरीउतहीभलठाढीर हो ॥ इतआवोतोतोकहचंदवतावों ॥ योंकहिकें हरिहाथछुयो ॥भजिआहेरेऊहरेमेंनहिआवों ॥ ३९ ॥ नटनागरआयेअह्नातथीराधे ॥ हिये उमडीलषिकाँमकला ॥ईतटेरलियेंकहियावि धसों बडभागहमारेसोआएचला ॥ अवहाहा करोंतवपाँईपरों ॥ इहेंमाँनियेतोसबकेहेंभला

अहोयादहबीचगिरोहैंछला सोनिकारिदेहोनं
दजुकेलला ॥ ४० ॥ हमजातगमाईअजातभ
ई ॥ कुलकाँनतेंआंनलजेतोलजो ॥ हमसंक
तजीपितुमातहुकी मोहिनाथहूत्रासतजेतोत
जो ॥ नटनागरकीनगलीतजिहुँगुरुलोकके
वाकगजेतोगजो ॥ व्रजमंडलमैंबदनामीकोढो
लनिसंकव्हेआजबजैतोबजौ ॥४१॥

कवित्त त्रसिवो सदाई नटनागरगुरुलो
गनतैं:केसेहूँ विलोकेहोतलोकलाजनसिवो ॥
कसिमनईंद्रनविलसिवोनहोतकछू: फैलल
षिकान्हरकेनेहहूमैफसिवो ॥ हुलसिविचारैंया
मैहोतहेचवायदेखो:सहवोपरैहैजबगुरजनहँ
सिवो ॥ काजरकेगेहमाँझवसिवोविकटऐसो:
निपटनिठुरतैसोयाव्रजमैबासिवो ॥ ४२ ॥

दाउकीबरसगाँठआजवाजसोदाजूनैनौतीत्र षभौंनललीबेठेपोसँवारेके ॥ ताहीकोंजिमा यकैउठायसमुझायसषी:लेगईदुतियभौंनभी तरपछारेके ॥ नूपुरघमंककरगूघरझमंकनट नागरठमक पदरमकअषारेकी ॥ कारेनंदवा रेकूँसिधारेजीतवेकेकाजः बाजतनगारेमनुपंच सरवारेके ॥ ४३ ॥

सवैया। जमुनातटपैनटनागरजूबँसुरीवट पासहमेसरहाकरै ॥ वामुगधाकुलवानकहाक रैनैनकेसेनकेबानबहाकरै ॥ घालिहिंडोरेम हाकरैफेलचढायवेसंगवात्रीतैफहाकरै ॥ ज्यौं ज्योंगहाकरैटेकबिहारीत्यौंनारीअनारीतैंहारी हाहाकरै ॥ ४४ ॥

कवित्त जमुनांकिसंगनमैंकुंजकेविहंगन
मैं: व्रंदावनव्रंदनमैंअंगएकव्हैरह्यौ॥मधुवनपुं
जनमैंमधुकरगुंजनमैं:मुग्धनकेमनमैंअनोप
ओपदेरह्यौ॥ नटनागरअंगनमैंभवनउमंगन
मैं:रंगसबरंगनमैंरंगरूपलेरह्यो ॥ तीजकीतरं
गनमैनवलाकेअंगनमैं:सोसनीसुरंगनमैंस्याँ
मरंगछ्वैरह्यो॥ ४५॥ हारउरडारवारवारकों
सँवांरकर:मारचक्रजेसीनथथारमैपरीरही ॥
लकुटीमुकटपटपाटकोझटकपरो:कुंडलकटक
आँषआँषतैंअरीरही ॥ सुघरसँवारीसारीडार
दी बिहारीदेष:डरीनाँपरीनाँचोकचकितषरीर
ही ॥ नागरघरनदेषिघरनिबिसरिगए:अध
रधरनतैंउधरनधरीरही॥ ४६॥

सवैया हाअबकेसीकरूँसुनबीर:सुवा म्रदुहाँसहियेफसगी ॥ अबयाब्रजमैकुलवा नकहावततेसबरीलषिकैंहँसगी ॥ ननदोढिग आयनचायकैंनैनकछूकहवेनभ्रुवैंकसगी ॥ ब चगीसबमैंबिपरीतकथानटनागरफंदनमैंफस गी ॥ ४१ ॥ महासुक्षमप्रीतकोमारगहैकोउ जानैकहाअनुरागेनहीं ॥ उनहीकोंबिचारिये याविदसों मनोसोवतनीदसोंजागेनहीं ॥ नट नागररीतनजाँनतहोबिरहानलदाहसोंदागेन हीं ॥ तिनकोजगजीवनजानोवृथापरप्रेमप योधिमैपागेनहीं ॥ ४८ ॥

कवित चषयेचहतचाहमित्रकोबिचित्र चित्र:पूरननहोतश्रोत्रवाकीसुनबाततैं ॥ ग्रां

नचहैनासिकासुवाकेअंगरागहूकीः ॥ त्युहीं चहैरसनाँउचारगुनगाथतैं ॥ चाहतहैपाँवसु अटनउतआटोंजामः ॥ त्योंहींत्वचाचाहत परसप्पारेगाततैं ॥ नागरदरसकछुपरसभयो नंहायःबिवसगयोहैमनमेरोमेरेहाथतैं ॥४९॥

दुहा मोकूँकछुसूझतनहीःतूँकाबूजतबालः॥ इनआँषिनमैंछ्वैरह्योकारोपीरोलाल ॥५०॥

कवित पूछैनटनागरकादेषामेचरित्रऐसो मानोंगिरिभूषनसोमेरेउरछ्वैरह्यो ॥ बेरसँझ लोंकीबीचनाँहिनपिछाँनपरोःकिधोंब्रघराज ब्रजराजरूपव्हैरह्यो ॥ पीतघनस्यांमजुतसु रँगउठायेंकछुःविद्युतलतासोयालताकेबीच छ्वैगयो ॥ केहरियाहरिहोनजानौंक्यारकेतकी

मैं:मेरीदोउआँषनमैंकारोपीरोव्हैरह्यो॥५१॥
कारैविनअंजनहींषंजनतुराकेगंज:कंजनकुरं
गमीनभंजनसँवारेक्यों ॥ कचकुचकंमर पनं
गचककेहरीसी:जापैकिहिकाजआजअंगराग
पारेक्यों ॥ सुघराईसागरसुनेंहैनटनागरकौं:
सहजसिंगाररीझैउद्यमयेधारेक्यों ॥ रूपके
वनाइवेकूँ रूपकेअभूषनतै:गोरेगोरेपाँयकारे
कारैकरडारेक्यों ॥ ५२ ॥ रहैंदाहैओरैंघातक
हैंदानअेकोबातरहेंदातुसाँदेनालकछू नाकहैं
दाहै ॥ अैदाहैहमेसनितजैदाहेउसेहींगली:ल
लीव्रषभाँनदीगुलामहुवारेंदाहै ॥ उपमाकहैं
दानटनागरवोनंदनंदा:तातैससिअंकबीचभो
मसरमैंदाहै ॥ निचलारहेंदाकरहेंदाससकैंदा
वह:बैंदालिषितैंदासुदभूलभूलजैंदाहै॥५२॥

सवैया मरनमानतमेरोमतोसुमनीमन मैअलिहैमतिमंद ॥ सिषावनसासरेहुकीसुनीन:सुनीमुरलीज्यौबजीव्रजचंद ॥ दिनादुयबीचदिषायगीसोनटनागरकेबढिहैछलछंद ॥ डरैगीषरैनटरैगीकबूःतूँपरैगीजरूरमुकंदकेफंद ॥ ५३ ॥ आजगईनटनागरजूजहाँकीरतरॉनीरहीपरबीने ॥ देषीजहाँव्रषभॉनसुतागजगामिनिकेहरिसीकटिषीनें ॥ षोजथकीसबरेजगमैउपमाद्रगआँननकीहैनवीनें ॥ द्वेदलकोअरबिंदबिराजतपूरनचंदकोआसनकीनें ॥ ५४॥

कवित जादिनकढोहोमेरोषौरहूकैपोरआगॅःतादिनगडोहोमेरेमनउरदीठमैं ॥ताहीछिनलोकलाजऊपरपरीहैगाजः गुर्जनसमा

जआजसहोंसिरधीठमै ॥ नागरतादेषिनटना
गरभईहूँलटूःअटूमैपठायेप्रानपाँचहूवसीठमैं॥
नीठनीठसवहीकोंपीठदैनिहारचौकरूँःबोरि
गयोढीटहायमटकेमजीठमै ॥ ५५ ॥ जादि
नलषेहेंजमुनाकेबाँकेकूलनमैंःफूलनकेफाग
सोभानिपटनवीनींहैं ॥ तादिनतैंछबिकीतरंग
वढीमेरैअंगःकोटिकअनंगहूतैरूपगतिषीनीं
है ॥ नटनागरसागरसरूपकोउजागरहैःहाय
मेरेनेत्रनकीउपमाँसुछीनींहैं ॥ मेरैनैनमाँन
सीथेमृत्युलोकहीकेबीचःरूपविधिरावरेनेदेव
गतिदींनींहै ॥ ५६ ॥ गोकुलकीगेलमैगुपाल
ग्वालगोधनमैंःगोरजलपेटेलेषेएसीगतिकीं
नीहै ॥ चोंकिचोंकिचतुरचवायनचलावतहैः
रहीचुपचापचाँपचित्तमतिचींन्हीहैं ॥ हाहाक

रहारीनटनागरविहारीतैंहूँ:उपमाँविचारीजेब
हुतगतझींनीहैं ॥ मेरेनेनमांनसीथेमृत्युलोक
हीकेबीच:रूपविधिरावरेनेदेवगतिदींनीहै ॥
॥ ५७ ॥ पंकयोकलंककोतोलाग्योहेनिसंक
अंक:संकतजसारीप्यारीहियनाहिहरतूं ॥ सा
रेव्रजवासीकेबुराईकरिवेकीबाँनि:कांननकरै
गीअवगतमगहिरतूं ॥ रूपगुनसागरनिहार
नटगागरकों:बेरिनकेबोलसुनिनैकनलहिरतूँ
याव्रजकेलोगनबुराईतोऊढाईसीस:बिहँसबि
हारीसंगबावरीविहरितूं ॥ ५८ ॥

सवैया देहोंसबेंग्रहकाजपैचित्तरुवित्त
बटोरनमैसुषपेहों ॥ पेहोंगुरूजनकेसुषटलमैंगे
लमैंकुंजकेभूलिनजेहोंजेहोंसदाजमुनाजल
कों:थलकोंगउछाँडिभलैघरऐहों ॥ अेहोनही

नटनागरभाँनतैपानतैपाननपाननदेहों ॥६०

कवित्त भोरउठभोंनतैंगयोहैवृषभाँन षोर:लषेवरजोरचषविलषबिहालभो ॥ तादिनतैषाँनपाँनगांनमुरलीकोगयो:हालसबभूल मनवाकेनेहजालभो॥गोधनगुपालबालगोकुलगलीकेगेल:भूलजमुनाकेकूलमहामोहतालभो ॥ अंजनबिनाहूँमनरंजनटनागरजू:नैन कंजषंजनसेनिरषिनिहालभो ॥ ६१ ॥ आज सकुमारीमैंनिहारीवृषभाँनसुता:नारीकोबिचारीनीकीसोभाकेअगारतैं ॥ सुरीअरुकिंन्नरीपरीहूविलषायपरी:नगीकीभगीहेचाहरूप गुनसारतैं॥ नटनागरनेननउजागरदिषायदेहौं:चलीहातसातकविहायनिजवारतैं ॥ बसनबयारतैंबिहालहीनजानीगई:बाजूबँदहारतैं

याबारनकेभारतैं ॥ ६२ ॥ प्रीतमबिहारीप्या
रीपेषेमेंपरोक्षदोउ:प्रीतनहिजाहरउजागरह्व
येछ्ये ॥ चित्तचिकुनातनलषातनविष्पातने
ह:दोउदोउपोरफिरैहितमैठयेठये ॥ नटनागर
नागरीकीऐसीरीतआपसमैं:सारेब्रजवासिन
तैंरहतनयेनये ॥ दोउनकीदोउओरदेहपैनदे
षपरैं:नैननमैदेषनातेनेहकेनयेनये ॥ ६३ ॥
ऐरेनंदवारेकारेनिपटनिरंकुसहै:कुटिलकुरीत
ऐसेछंदसीष्योकोसोंरे ॥ नेहकोननेमनीकेजा
नतहेन्यायकहों:गोधनगुपालतथादेवद्विजसो
सोंरे ॥ प्यारेप्रेमपंथकोतैंन्यारेव्हेनिहारचोना
हि: एरेनटनागरपुकारकहोंतोसोंरे ॥ नीतजो
पढैतोवामेहोतहैप्रतीतरीत: प्रीतजोकरैतोवा
कीरीतपढमोसोंरे ॥ ६४ ॥

सवैया निसवासरप्रेमकोनेमलिएँजि
यराषरहीपियकीबतियाँतै ॥ ताछिनसुंदरसो
नभएपियआगमजानिलियोपतियाँतैं॥नटना
गरतैअँगनाअँगनामहि:दोरमिलीविरहाघति
याँतै ॥ कंठतैऔरनबातकढीसुलगायरहीछ
तियाँछतियाँतै ॥ ६५ ॥

कवित्त चंदअरविंदरमामंदलगैजाके
ढिग:वांनीपछतानीदेषजाकीवुधवारीपै ॥ रु
द्रानीअरधअंगउपमांबनैनआछी त्योंहीसची
सोभतीनगढपलीकारीपैं॥नटनागररतिहूकी
सूरतदिषातनाहीं: वोहूपतिहीनंषीनमहादुष
भारीपैं॥नागसुरनरीनारी लोयन निहारीजे
ती: सारी वारडारीन्यारी की रत्तकुमारीपै ॥

॥ ६५ ॥ मैतोहित्तमातीअनुरागसोंअथात्ती रवि: जानीनहिजातीरातीसाँझकफजरकी ॥ नीठपियपायेदोरछातीसोंलगायलाय: चंदमु षप्यारेपैचको रिज्योंनजरकी ॥ नटनागरमेरै भोंनछाएहें उछाहजुत:ओरसोभाहोगईहैकल तैअजिरकी ॥ ऐरेघरियारीतैतोबिनामोतमा रीहाय:बजरसीलागीमेरैमोगरीगजरकी ६५

सवैया नितजायोकरोजमुनातटकों:तथा गोधनसंगसिधायोकरो ॥ बँसुरीबटपासबि लासकरो:बँसुरीबिचगाँनसुनायोकरोनटना गरजाविधिव्योतबनैसुधनैकगरीबकीलायो करो ॥ चितचाह्योकरोमनभायोकरोछिपआ योकरोमिलजायोकरो ॥ ६७॥ इतगोधनसंग सषामिलकैंअपनीयहँषोरहूजेवोकरो ॥ मिल

वोनवनैनटनागरजूतोउवाँरसुरीमैकछुगेवोक
रो ॥ व्रजकेबिजमारेलवारनकीजोकेहकछुतो
सुनलेवोकरोसुषयाडुषहाँनरुलाभहमैअपनी
तोजरालिषदेवोकरो॥६८॥सोचतहूँमैषरीकव
कीअवहायमैजायकहाकहिहूँघर ॥ यादुषदेह
दसाबिसरीअरुआवतवारहिवारहियोभर ला
जजिहाजडिबोयदईनटनागरनेकनिहारतही
परमंदहँसीबिचफंदसीपारिकैंःइंदुसीमोहिगु
विंदगयोकर ॥ ६९ ॥ आजसषीमैलषीनिज
नैननःज्योनलषीरुसुनीजगरीती ॥ नैकउछा
हसुनेंनटनागरःहोतसँकोचगुनैगुनभीती ॥नै
कउमंगउठेउरअंतरहोत्तमहामिलवोदुषजी
ती ॥ जोवनओसिसुताबिचबालकैःप्रीतमैबैर
रुवैरमैप्रीती ॥ ७० ॥

कवित्त आईदोरदूरतैतिहाँरैदिषलावेका ज:देषतबनैंगीनांहिऐसीछबिवारीतें॥कारेकारे बादरकढेहैंत्रिकुटाचलसें:बिद्युतलताकेहेपता केधारभारीतैं ॥ देषनटनागरकीसोंहजोंकहूँ हूँतोसों:पिकखमोरसोरघोरघटाकारीतें ॥ ज मुनाँहैन्यारीजाकेदेषतटभारीआली:आजकी छटारीचढनिरषअटारीतैं ॥ ७० ॥

कवित्त: स्याँमस्याँमबादरयेआवतईतें कोंअब:धूररहीपूरसोईनैंकननिहारातैं:विद्युत कोजोरजाकेसंगसोरमोरनको:चातकीरुको किलापुकाररहीधारीतैं:सोंहनटनागरकीओ रहीछबीहैआजगरजपरतबूंदऊठदोरआरीतैं: मैंतोगईवारीऔसीनांहिननिहारीबीर:आज कीछटारीलषिचढिकैंअटारीतैं: ॥ ७१ ॥

सवैया वयसंधिकोजोरभयोतनमैं:सब सोतनकेउरसालठयो ॥ नटनागरलालनिहालभयोसुरनागरिकोलषिगर्वगयो ॥ मुषचंदकोंपेषिअनंदगमायकैंइंदुप्रकासतैंमंदभयो ॥ व्रजराजकेजीतवेकाजमनों:रतिराजनयोइकसख्खलयो ॥ ७२ ॥

कवित्त छलसौंछबीलीआजछैलअविलोकनकों:छराहूउतारधरेपायरघसनतैं ॥ सषिनकेसंगमैंकुरंगनैंनीपैनीमति:दूररहीथाढीचाहचातुरफसनतैं ॥ नैननटनागरकैऔंचकाँपरेहैंआय:हायकहिबेठगईगुर्जनत्रसनतैं ॥ बत्तीसोंदसनतैंयोंरसनाकौदाबिरही:रसनाकोंदाबिरहीपल्लवदसनतैं ॥ ७३ ॥ साँकरीगली

मैंआजललीव्रषभाँनजूकीःजातजमुनाँजल कोंसोभाकेलसनतें ॥ ताहीगेलछेलनटनागर जूआइगएःहँसनदुहूँकोभयोभ्रूकुटीकसनतें ॥ नंदनिजगोधनमैताहिछिनदेखिपरेःलुकेनिज वासदोउमानोभैअसनतें ॥ बत्तीसोंदसनतें योंरसनाकोंदाबिरहीःरसनाकोंदाबिरहीपल्लव दसनतें ॥ ७४॥ नायनह्नवायकेंगुसायनके पाँयझावेःओझकिउझकिउठैवाकरलसनतें ॥ ताहीछिनसषीलायताकपवसाकधरीःठाढीह्वै सिंगारसाजेसहजेहँसनतें ॥ नेहीनटनागरअ टारीपैचढ्योछिपायःछाँहलषिनाहकीलुकानी त्यूँबसनतें ॥ बत्तीसोंदसन०॥७५॥ लोयनति हारेआँनउपमानधारेआजःमानोद्वैसिवारबी चकंजपत्रसकरे ॥ केधौंमकरध्वजबनायरूप

मींनहाकोनटनागरपाटजालबाहनद्वेपकरे ॥
केधोंरतिराजआजबनिकैंसिकारीमीर:पंजन
द्वैडारेपिंजराकेबीचअकरे ॥ कारेगुघरारेबार
बीचमतवारेनैन:मानौउनमत्तद्वेजँजीरनसोंज
करे ॥ ७६ ॥

सवैया जानेनआजलोंऐसेबिषाददरा:द्वे
कदिनाँतैंकितबढचाले ॥ मानतैकेसेभयेबर
जोर:मतंगयेमैनकेहैमतवाले ॥ सोहैंललानट
नागरकीबिषरूपबियोगकेहोदबिसालेकाहेप्र
तीतकरीइनकीइननैननहायघनेंघरघाले ७७

कवित देषीनटनागरअनीतरीतआँषि
नकी:अंगसबहीतेमंजुअतिवरजोरहै ॥ मृदु
लमहाहैगतिसुक्षमलपातनाहीं:रदनकरीज्युँ

जाकोअभिप्रायओरहै ॥ ढीलीढीलीभोंहतरर हतलजीलीहहाःतीषीतीषीदेषियेअनोषीसी षीदोरहै ॥ कारीकजरारीढाँपीरहतविचारीतो ऊःहेतुसुकमारताकोकारजकठोरहै ॥ ७८ ॥

सवैया हेव्रषभाँनललीद्रगएतेलडेतेकि येकहाकेलकीफूली ॥ तेरेयासेज विनोदमैंवा वरीःमेरैललाकीकलासबभूली ॥वानटनागर केचरनौतलताछिनऊडिकितैंगइधूली ॥ज्यूँप रैदूरित्योंपीछोचितेसुतीरीछेसनैनसनेहकीसू ली ॥ ७९ ॥ जबतैंयहँबानकुवानपरीतबतैंकु लकाँनदईसबछ्वै ॥ नितमिंतकेरूपनिहारिवे कुँपलतैपलनैकगईनहिछ्वै ॥ समझायथकीन टनागरजूविनओसरहीउमहेचलच्वै॥ चपरूप षिलोनेकेधारिवेकों हठरूपभयेमनुवालकद्वै ॥

॥ ८० ॥ सुनप्यारीसुजाँनतिहारेद्रगोंनमैंःअं जनकाहेकूँसारिवोहै ॥ उलटावनचंचलषंजन से यहँओहत्रवंकनपारिवोहै ॥ सबहावरुभा वलियेसँगहीःतिरछीसीचितौंनक्यौंधारिवो है ॥ नटनागरकेनकढेनटसालएसूधौनिहारि वोमारिवोहै ॥ ८१ ॥

कुंडलियो आँषेंजादिनतैंलगीःजगीवि रहकीज्वाल ॥ अरीठगोरीतैंठगेःनटनागरनँ दलाल २ छेलपनसवहीभूले ॥ कसितभये तनतापःफिरतथेफूलेफूले ॥ अजकीदोऊरह तःनहींलगतीपलपाँषें ॥ महाहलाहलगहरः कहरकरिडारोआँषे ॥ ८२ ॥

सवैया उध्धमऐसोमचपोनटनागरश्री

वृषभाँनसुताउमहीहै ॥ होरीहेहोरीहैहोरीक हैःसबझोरीगुलालहैढोरीगहीहै ॥ ओजसो आजसमाजसबैंःगहिबोरतदोरतमोजमहीहै ॥ केसरहोजपैचोजभरीवेमनोजकीफोजसी फेलरहीहै ॥ ८३ ॥ जितष्यालरच्योअदभूत सुन्योकछुजानीनहीमैंचलीगइबागजवतत्रल षेनटनागरकौंःकहिएसोकहापैलग्योउरदाग ॥ सुनिमोहिबबाकिसोंचाहनहीएलगीहैअनो षीसीऔषनलाग ॥ गजिगाजपरोसिरमेरैभ टूसुलगोयहँफागकेसीसपैआग ॥ ८४ ॥

कवित गावतगुपालग्वालबालवेजिभार मिलःडोलतप्रलापमयबोलतकसनतैंढोलक सितारबीनाँबाँसुरीबजावैधावैःलावैगहिगोप

वधूहोरीकेमिसनतैं ॥ निकटनटनागरनिहार तहीसूकीदेह:झिपीनिजछाहँबीचबेवसनसन ते ॥ बत्तीसोंदसनतेंयौरसनांकोंदाबिरही:रस नांकौंदाबिरहीपल्लावदसनतैं॥८५॥ झोरीभर दोरीकेऊरोरीलेमचावैसोर:बोरीसीफिरैहेगो रीकहैबेनजोरीके ॥ कोरीनाँरहेगीचोरीपीतहू विछोरीआज:लोकलाजछोरीभोरीबोरीरंग धोरीके ॥ ठाढीनिजपोरीयोंउचारतहैंथोरीथो री:कोउजायपोरीनंदरायकीकहोरीके ॥ न टनागरघोरीरारिजुध्धहेबहोरीदेषो:होरीकेस माजकढेकीरतकिसोरीके ॥ ८६ ॥

सवैया त्रियप्रीतमपागेपरस्त्रियतें:दिवरा सोउडोलतबागनमै ॥ ससुराअरुसासपुरा णसुणेनितपाचोहिंयाढुपदागनमैं ॥ नटनाग

रयेकरहीननदीसोउनेहकहूँचितलागनमैं ॥ दुषभागनमैनिसिजागनमैंदिनकेसेंकढौंयहँफागनमैं ॥ ८७ ॥ अतिकीनोदगादुषदायनयेसुदिषावनफागकस्यौजबरीझगी मोकूँनवीनलषीनटनागरआनवधूनकेधोकेहिधीजगी ॥ छलहीछलसौंछिपछोहँनमैं:ढिगछूवतछैलकीछाँहसोंछीजकी ॥ षीजगीमींजगीनैकछुईफिरभीजगीसीझगोहायपसीजगी ॥ ८८ ॥

बियोगश्रृंगार ॥ कवित ॥

विनतीइतीकयागरीबनकीबारबार:प्रीतकीप्रतीतबातैसुनकैंसुनायजा ॥ नटनागरसागरस्नेहकोनपागोणेरप्रेमकेपयोधिबीचन्हायकैंन्हवायजा ॥ मेरीपोरयाहीपोरनातोयामहल्लावीच: तेरीमोहनीमैवाँकेटेढेबोलगायजा ॥ नैकइत

आयजाछिनेकइतछायजारेःदरसदिषायहाय
मरतजिवायजा ॥ ८९ ॥

सवैया सरमैतरवायकेबोरियेकेगिरपैंच
ढवायकेंडारियेजू ॥ कछुजानकेलनकेनाहिउ
पायतोसिंघगयंदबकारियेजूअबग्रानतोकान्ह
मैआनिरत्यौजोउबारिवोहतोउबारियेजू ॥ न
टनागरऐंचकेधीठमहाहहावंसीकीताननमा
रियेजू ॥ ९० ॥

कवित बासुरीसमानमेरीपाँसुरीहरेकवो
लैउठतअसाध्यपीरमनोघावनेजाज्यूँ ॥ हाय
नटनागरजूआहतोकढैहेंनीठःलोयनबहैहेंदो
उभारेजलसेजाज्यूँ ॥ मारैनैनबाँनऐचिऐचि
श्रवणांतजबैःतातैसछद्रहतेनिकटथिरवेझाज्यूँ
रावरोवियोगआगजाकेषायषायदागःव्हेग

योकेरजामेरोचूनरीकेरेजाज्यूँ ॥११॥ जगकी
नजाहरकीजसकीनजीकीजाँन:जनकीननट
नागरजीहज्वाबजाकेहैं ॥ पीरकीनपीरपरपी
रकीनगनेंपीर:परतनधीरप्रेमपुंजपासपाकेहैं
छीनतनछातीछेदछिद्रकेरहेनछांनी:छिपतन
छाँहअतिछाकछबिछाकेहैं ॥ मनकेनमारकेन
मोतकेनमारेहारे:हारेहियमारेहायमानसीवि
थाकेहैं ॥ १२ ॥ कठिनमजानषाँनबरछीबँ
दूकबाँन: प्रानहूकीहाँनीसिंघबारनबकारिवो
जहरहलाहलकोपाँनहूकठिननाहि:त्यूहींनट
नागरनाँआगतनजारिवो ॥ त्यूहींजपजोगत्र
ततीरथअहारबिन:करिकैंअनेककष्टदेहहूकूँ
गारिवो ॥ एतेसबमेरेजानसुलभलषातसारे:
कठिनमहाहैप्रीतरीतप्रतिपारवो ॥ १३ ॥अ

लीम्रगमीनमोरचातकीअहीचकोरःकंजरुक
मोदचक्रवाकआदिमेंगिनेःबदेमुनीरबेनजी
रसीरीपुसरूमैःसागरप्रवीनजलाबूबनाजिते
सुने ॥ सीरीफरंहादतथायुसफजुलैषाजेसेःले
लेमजनूंज्यूहीरराझेसेसनेघनें॥नटनागरप्रीत
कौजितावेकेहिलावेजीहःप्रीतकरिवेकीरीत्त
जाँनत्तइतेजनें ॥ १४ ॥

सवैया नटनागरनेहलग्योहैनयोःहमका
जउन्हैतरसावनोनाँ ॥ फिरयाव्रजबीचचवाव
चलैतुछकारजकोंतननतावनोनाँ॥ तुमकोंसुपदे
षिहमैसुपहैगुननूँतननेहकेगावनोनाँ॥ इतआ
वनेतैढुषपावनोंव्हैइतआवनोंनाँढुषपावनो
नाँ ॥ १५ ॥

कवित पहिलैलगीहोलागआगसीनजा

नीपरी:आगकीहैबातबिनचाहनपगनकी॥ मैं
तोनटनागरउजागरनकीन्हीऐसी:परीसीस
आययहैंदागनदगनकी:गुरजनकीमांनीनांहि
छानीहीछिपायराषूँ:हाहामैनजानीएसीमोसि
रषगनकी ॥ मगनभयोहेमनठगनलिषीनहा
य:अगनअनोषीदेषीचितकेलगनकी ॥ १६॥

सवैया कैसेंकहूँनटनागरजूअबयाश्रम
हायजरोंकिनजीकी ॥ मोउरबीचदरारदिषा
तसोयाकौंसियेकासुईदरजीकी ॥ कहाजानेंध
नाढ्यकँगालनकीगति:ह्वैगरजीसोलहैगरजी
की ॥ बेमरजीकूँबिथासरजीनहिं:जानतहेगर
जीगरजीकी॥१७॥ आलमसेषसुजाँनघनानँ
दजोजगबीचयाजालअरूझो ॥ रंकरुरावको
भावनहींयहँरंगरँगोजिन्हेऔरनसूझो ॥ वाअ

लबेलीसीलेलोनिहारिकैंपूत्तपठाँनकोजाहर
जूझो ॥ जानअजाँनभएनटनागरप्रेमकोनेम
प्रवीनसेंवूझो ॥ ९८ ॥ जितनैंमुषबेनकढै
रसचूवतःतेसबहीचुनिबोइकरै ॥ धरिध्यान
हियेनटनागरसागुनतैरललागुनिबोईकरै ॥
निसद्योसजहाँतहाँसीससदाधरैधीरजनाँधु
निबोईकरै ॥ फिरिज्वावनदेवोहमेंतोकहाकछु
केवोकरोसुनिवोईकरै ॥ ९९ ॥ पहलैमेंकह्यौ
समुझायतुह्मेंलडवावरेंव्हेकरेअकनमानी ॥ ऐ
सेकोंदेतबजायकेंढोलःकरैहैसबीपरराषतछाँ
नी ॥ ओरकहाकहियेनटनागरजानतनाँटुक
लाभरुहाँनी ॥ हायकहाअबरोवतहोअहोप्री
तकरीकछुरीतनजाँनी ॥ १०० ॥ यहैप्रेमकी
रीतप्रतीतसुनीपरपागतसोफिरपाकेनहीं ॥

कहियेकहाँजायपुकारकरोंगुरुलोगसभाबिच आँकेनहीं ॥ ममभालमैंहाललिष्योबिधियों कोउयाव्रजबोलतसाँकेनहीं ॥ नटनागरहा अबऐसीकरीःदुसरायकैंद्वारकौझाँकेनहीं ॥ ॥ १०१ ॥ मनकोमिलवोजबहीतैंभयोभयो तीषकटाछनकोघलिवो ॥ सुषसागरजाँनसने हकियोनटनागरआगबिनाजलबो ॥ तनको मिलवोसुरत्योअतिदूररत्यौकुलमारगकोच लिवो ॥ रहोबैंननकोमिलबोनबनैंनबनैंअब नैननकोमिलबो ॥ २ ॥ नेननसेंनचलीनमि लीतोउजाहरदेषपरीजबजागी ॥ गोकुलबेद गुरूजनकीकुलरीतप्रतीतभईसबदागी ॥ वा नटनागरकीछबितोयसोंज्योंछिरकोतोरहैकहुँ पागी ॥ हायनओरउपायकहूँअबमोउरलाय

बियोगकीलागी ॥ ३ ॥ जितहीतिततैंजबही
तबकौंइतआयछिनेकतोछायोकरो ॥ नटनाग
रकागरकेसैंलिषूँवहनागरिकैमनभायोकरो ॥
कुलकाँनरुलोगकीलाजनसायकैंप्रेमकीबेली
बढायोंकरो ॥ विरहागतियांकीकथाहमरेढिग
आयललासुनिजायोकरो ॥ ४ ॥ निजप्राँन
कीघातकोपापबिचारिबिचारिकैनाँबिषपायें
बनैं ॥ कुललोकरुबेदमुजादकीकेदबडीग्रहबी
चरहायेंबनै ॥ नटनागरलोगचवायनसूधरफूँ
ककैंपायधरायेंबनैं ॥ द्रगबाँनअनीकोसुँजाँन
हियेजिनकेलगीजासोंकहायेंबनैं ॥ ५ ॥ ॥

सवैया पहलैतोप्रीतकेपयोधिमैपागाय
दीनीःअबजोचुरायेंनैनहाययूँदहाकरो ॥ तापै
जोसुनावतहोरूपेमुषऐसीबातःसुषजोचहो

तोनेकदुषहूसहोकरो ॥ याव्रजवुराईदेतेदेरन
करैगीदेषाःनीतीयौंसुनावोनेहगेलकौंगहाक
रो ॥ हमकोंनभाईनटनागरजूगाईआपःप्या
रेजोकहावोततोन्यारेनांरहाकरो ॥ ६ ॥ छेलमैं
तिहाँरीछबिछाकसोंछकीहूँहाथःछलसोंनजाँ
न्योंजूछलीसीरहिछाँनीमैं ॥ पेषेहूप्रतीतकरप्राँ
ननकोंकीनेंपेसःपूरनांमनोरथपरैहैंजायपाँनीं
मैं ॥ दूबरीभईहेदेहरावरेदहीबियोगःनटनाग
रनागरनिहारकैंबिकाँनीमैंसबकीकहाँनीजी
कोंनेंकहूनमांनींमिंतमिलबोबनैंगोनाँहिजाँनी
यानजाँनीमैं ॥ ७ ॥ कुलतैंकुटंबतैंकदंबतैंरुकु
जनतैंःकूलजमुनातैंहानिहारबेरकीनीतैंजगतैं
रुजसतैंजगातैंजातपाँतहूतैंजुलमीतैंजाहरही
मनछीनलीनोतैं ॥ भालमैंलिषीहीनटनागर

भलीयाबुरी:हायदुषअेकजोपैंनेकहूनभीनो
तैं ॥ बालरूपीतालतैंनिकारमोहजालडार:सु
षतोहैकालल्लालहालदुषदीनोतैं ॥ ८ ॥ अेरे
दिलदारतोसोंकहतपुकारहार:कछुनाबिचार
ध्वनिकाँननँमैंनायदे ॥ जारदेरैबिरहाकेबंधन
बिकटफंद:व्रछयोबियोगजाकूँजरतैंमिटायदे ॥
मिलनटनागरतुअबतोउजागरह्वै:जैसोउरबी
चध्यांनतेसोरागगायदे ॥ कॉननहमारेमैंक्रसा
नुसीबढीहैचाह:तेरेचंदआँननतैंताननँसुनाय
दे ॥ ९ ॥ नटनागरबाँचियोउजागरलिष्योहै
पत्र:आजहूतैंनेहजाँनिछेहनछियोकरो ॥ यात्र
जकेबावरेबुरेहैंबिजमारेलोग:तिनतैछिपायज
राषबरलियोकरो ॥ प्रीतरहीछाँनीजाकौंअब
लौंनजानाकाहू:काननचवायनकैबाचक्योपि

योकरो ॥ परसभयेकौंप्यारेबरसगयोहैंबीत: तरसबिचारजरादरसदियोकरो ॥ ११० ॥ हमतोबहाईजातपाँतयेबिष्यातबात:वोलतत्र भातरातनाहींकछुछाँनेमें ॥ आवनहमारोमन भावननहोतउत्त:महापरमारथहैछबिसोंछकानेमैं ॥ नटनागरमाँनउपगारअतिजाँनजिय: नैंकडरउतहैहमारेआनैंजानैंमैं ॥ वाँनगहीनैंननतैहायनविचारीकछु:प्यारेकहाहाँनतेरैसूरतदिषाँनेंमैं ॥ ११ ॥ नटनागरपूछकैंसुन्योंहैबुद्धिसागरतैं:कागरलिषेकोंबाँचिकस्योजिनसोधतें ॥ आजलौंनसुन्योदेष्योपोथीकेप्रबंधनमैं: नाँहिनपरेगोपारपरेलिषओधतें ॥ नहचैनिहारकैउचारतहौंऐसीबात:हँसकैसुनावतकहूँनकछुक्रोधतें ॥ बोधतेंअबोधतेंयामोदतेंविरोध

हूतैं:परिकैंकह्योनकोउप्रेमकेपयोधतैं ॥ १२॥
कुलओकुटंबकेदरारैंभारैंभाँनकर:बेदगुरुझार
षोदडारेसोनपाइयतु ॥ सुघरसुधारजामैलग्न
बिचनायदये:जैसैंरसग्रंथनमैआगूँआगूँगाइ
यतुरावरेअनुग्रहकोमेहबरसायोआप:एकोबी
जऊग्यौनाहिभागयोंदिषाइयतु॥ हाहानटना
गरउमेदफलफूलकीथी:प्यारेप्रीतषेतमैंतोरेत
नलषाइयतु ॥ १३॥ अरीमेरीबीरधरधीरसु
नमेरीपीर:त्तीरजैसोलागतसरीरनीरकारेसों॥
कारेकारेबादरयेन्यारेदुषदेनलागे:कटतकरेजा
कारीकोकिलपुकारेसों ॥ कारेनटनागरतैंन्या
रेह्वैनिहारेदुष:प्यारेप्यारेप्राँनकैसेंरहतबिसारे
सों ॥ नेकमुषलायबोकहूँनकितजायबोरी:हा
यमनसोंपदयोहाथनहमारेसों ॥ १४॥ भूष

प्यासहासरुबिलासजेअवासनके:मित्तविन चित्तमहँकैसेंमनभातहै ॥ रूरेजगबीचकेउमा नसबिरंचिरचे:मेरेकोउआँषिनमैंनाहिनसमा तहै ॥ नटनागरआगसीजरैंहैंउरआठोंजाँम: घाँमलगैचाँदनीरुचंदबिषदातहै ॥ करतपरेषे हायप्रानअबसेसरहै:देषेबिनप्यारेकेअलेषेदि नैंजातहै ॥ ११५॥

बिजोगश्रृंगारमान: सवैया ओर

तोतोहिकूँनिंदतहैसषिनिठुरबामनमानैमनाई ॥मैनटनागरवंदतहूँधनरीधनतूँवृषभाँनकीजा ई ॥ तेरेमनाइवेबीचउनिंद्रितसोचमैंक्यूँपल कैंतोमिलाई ॥ कालकेलालनभूषेहुतेसुभली करीतैंनैंहहातोषवाई ॥ ११६ ॥

कवित्त पहलैतोलालनकेउरलिपटाइबे कूँ:फिरीछबिछाकीतैनराषीसुधदेहकी ॥ सारे व्रजवारेयेबिचारेसमुझायहारे:गुर्जनसिषाईतूँ नसीषीकछुगेहकी ॥ नटनागरउमगउछाहसौं बुलाईआज:हायनटबेठीबातकीनीतैंअछेहकी ॥ वीतगईरैनरससरीत्तोगयोमोहनको:प्रेमकीप्र तीतगईनीतीनिजनेहकी ॥ १७ ॥ जाकेकाज मैंनैंलोकलाजकौंअकाजकीनीं:सषीकेसमाज कुलकारनबचोनही ॥ फेरगुरुवृद्धपुनिसासरे रुपीहरमैं:सारेवृजमाँहिऐसोकोहेसोषिचोन हीं ॥ हहानटनागरमैंसागरसनेहजानें:आग रनिकारेगुनहियकापचौनहीं ॥ कोटिकप्रपंच कीनेंकाहूकौंनदीजेदोष:रंचसुषभालमैंबिरंच हूरचोनही ॥ १८ ॥ सागरसनेहगुनपांननट

नागरहें ॥ नागरीतेंतातेंचितचोन्योक्योहुला
सको: ॥ भोरहीतैभामिनीभूलाऊँतूनभूलैने
क:भाँवरीभरैहैंवोबिहारीरसरासको ॥ मानत
जमाँनमैरीबारीमैनिहारनैक:प्रीतमबुलावेम
गलीजियेअवासको ॥ रजनीरहीनआधी
बजनीरहीहैबाकी:सजनीप्रकासगयोरजनीप्र
कासको ॥ ११९ ॥ गौवनगुविंदग्वालगो
कुलगलीकेगैल:गावतहैगोरीहोरीछैलगैलहाँ
सको॥ गोपहूहथायनतैंगयेनिजगेहकाज ॥त्रि
यासुषसाजकैंसँवारैंनिजवासको कोकनदको
कसोकगोपनिगएविलोकिहर्सनटनागरहैनि
श्वरबिलासको ॥ बोरीदुषत्तजनिजसजनीसिं
गारसाज:सजनीप्रकासभयोरजनीप्रकास
को ॥ १२० ॥ गोकुलकीकुलकीगुपालगोपी

गोधनकी:गारीकीनगारयूँगवाईगेलगेहकी ॥ दारुनदुसहदुषदीनताउठाईदेषो:दिलमैंबढी हैदाहदाधीछबिदेहकी ॥ मारुतमयंकमृगमद हूमहाँनननंद:लागतहैआगनैनहूतैंरितुमेहकी॥ नटनागरनिरषीनलिषीसदग्रंथनमैं:नाजुक निपटहैनिहारोरीतिनेहकी ॥ २१ ॥

विजोगश्रंगारप्रवास: सवैया

उद्धवकोंपठयेउततैंइतग्यानसुनायकैंक्योंउर जारो ॥ चेरीचुभीचित्तमैंहितसोंअबप्रीतकीरी तकरीप्रतिपारो ॥ नागरताइतनीनटनागरया व्रजकेहिततोमतधारो ॥ थीतोबिकाऊनलेतब नींअबपूछतक्योंतुममोलहमारो ॥ २२ ॥ बेद पुराँनकुराँनकिताबन:औरहुग्रंथअनेकनसू झो ॥ जेजगमैंसदवैद्यकहावतजोनटनागरता

हितैंबूझो ॥ चातुरऔरगुनीजितनेंकियत्रण्ण सोईहियमाँझअरूझो ॥ याकोउपायनपावत हैंजगमित्तबियोगसोरोगनदूजो ॥ २३ ॥ काठकेबीचरहैघुनकीटज्यौंहेमनरोगकहाँतकराषैं ॥प्रानसथाँनरहेनहिंराषेहूँदारुनसोगकहाँतकराषैंएविषियासुषदादुषदाभईहायकुभोगकहाँतकराषैं ॥ नेमलष्यौनटनागरनेकबियोगकोजोगकहाँतकराषैं ॥ २४ ॥ येअँषियाँदुषियाहै सदाकबहूँसुषियाछबिमिंतकीज्वैहै ॥ जाँनतहोंमैअसाडकेअंवुदज्यूँउमडेहैंअघायकेच्वैहै ॥ मोउरभ्रोहेअगारयोंआगकोदेषेंबिनाँनटनागरष्वेहें ॥ प्यारेपरीहैंबियोगकीरातिसुजाकोप्रभातकहोकबह्वैहै ॥ १२५ ॥

कवित्त: मोहनमिलायवेकोउद्यमउठायो

वीरःमंदभागमेरतेंफूऱ्योनश्रमजांनदैःश्रवन
सुनेतेंअनुरागउठोमेरेउरःसोउदुषधाऱ्योमेंक
हूंसोनेंककानदैःप्यारेनटनागरकोध्यानतूंबता
यमोकूंःविनयबिचारमेरीसिघ्रप्रांनदांनदैःमि
लबोरुबोलबोनिहारबोरह्योहेदूरःहहाउनपा
यनकीधूरनेंकआंनदैः ॥ १ ॥ काननसोंनितबैं
नसुनैंअरुनैंननरूपनिहारतहैं ॥ फिरआँनन
सोंअतिसुंदरनाँमलैआपसबीचपुकारतहै ॥
अहोउद्धवकाहेप्रलापउचारतस्याँमवहाँकोउ
धारतहै ॥ नटनागरप्यारोहमारोहमैंपलएक
हुनाँहिबिसारतहै ॥ २६ ॥

कवित्त बालमबिदेसजाँनिबागनकेव्रछ
नपैंःबैरहीबढावत्तहैचातकबहूबहू ॥ रैनकोंकरे
हैंरारिनींदनिरवारिअेतैंःराकापत्तिरागरंगसुर

भीरहूरहू ॥ प्यारेनटनागरकेअंतरसमेंकूँपाय
मोहिकूँसतावतहैविरहमहूमहू॥ लाजकीनसा
यनबसायनकछूनत्तातैंःकोकिलाकसायनपु
कारतकहूकहू ॥ २७ ॥ त्तकततबीब जिततित
हीकिताबनकोंःनटनागरताकेतर्कएकहूलषात
नां ॥ नस्तरउपायनाहिंनहचैइलाजकोउःया
कोजियजीवनतोजाहरजनातनां ॥ अस्वनी
कुमारआदिधनंत्तरवैद्यजेसेःकहालुकमाँनतुछ
कोऊजसपातनांसरदभयोहैदिलजरदभयोहै
रंगःगरदभयोहैअंगदरददिषातनां ॥ २८ ॥
संभूकोपिनाककेत्रसूलजगदंबाजूकोःवासव
कोवज्रवडवागहूअनूपनाँ ॥ नटनागरचक्ररुष
डाननकोसूलमहाःसेसफुतकारमारतंडताप
ओपनाँ ॥ भीमरुकिरीटीजूकेगांजिवगदागरि

छ:मूसलहलायुधकोआवतहेजूपनाँ ॥गरुडझ
पेटपुनिमारुतोचपेटमहामित्तकेबियोगजैसो
कालहूकोकोपनाँ ॥ २९ ॥ बिरहदवारजाके
ओरनअधारकछु:त्तीनोपुरधारनटनागरनँधा
महे ॥ जरतजनातनाँहिजनकौंलषातनाँहि:वि
पतअमोघओघसोकआठोंजाँमहै॥ रहतसमा
धिजाकोअधिकैबिषादह्वतै:विरहविथाकेथाके
जोकनहिंकाँमहे ॥ आहनहिहोतीतोकराहमर
जातेकेउ:दर्दिनकेउरमाँझआहबिसराँमहै ॥
॥ १३० ॥ एरेहोचितेरेतोसोंचित्रनाँबनेंगोभा
ई:नाहिंनसमक्षप्यारोबातहेदिगंतकी ॥ नट
नागरचित्रकीनतेरेपाससाहित्यहैसोईसुननी
केंमैंसुनाऊँबाततंतकी॥ बिरहचितेराविस्वक
र्माकोस्वरूपहोय:नवहीअवस्थारंगभीतमेरे

चिंतकी ॥ ऐसोजोगसाधिकैंसमाधिबिचभ
योथिर:जापैलिषिगईहैछबीवामैरैमिंतकी ॥
॥ ३१ ॥ उद्धवलिषाइलायेज्ञानवयरागजोग:
रोगसोदिषातहमैंनाहिकछुआसहे ॥ नेमजो
कियोहैनटनागरउपासनाँको:व्रतनटरैगोदषो
जोलोंघटसासहे ॥ कान्हरकहावैकोंनवाकौंहम
जानैंनाँहिं:काँन्हरहमारोएसीलिषैबडोहांसहे॥
कान्हरतिहारैतैंहमारैकछुकाँमनाँहिं:कान्हरह
मारोतोहमारेप्राँनपासहे ॥ ३२॥ तुमजोबता
वतहोनंदकेदुल्हारेवहाँ:येहूवातझूठजिनकहो
व्रजसारेमैं ॥ वेहूकोउओरह्वैहैनाहिनपरेषोक
छु:दूषनलगावतहौहायप्राँनप्यारेमैं ॥ नटना
गरकरतहमारैसंगनृत्यनित:बाँसुरीबजावतहै
जमुनाँकिनारेमैं ॥ मोहनतुह्मारातोतुह्मारेमथु

रोकबीच: मोहनहमारोतोहमारैनैंनतारैमैं ॥
॥ ३३ ॥ ऐहोद्विजपाँयपरपूछतहोंतोसोंप्रष्ण:
मेरैभागलिषीवातैंजहरदिषायदे ॥ गिनतनि
कारनैंककरियेबिचारहाहा:मिंतकोसंजोगसु
धाकाँननसुनायदे ॥ मेरैधाँमबीचजैतोधनसो
धरूँगीआगूँकैतीअवधीहैदुषदारुनकीगायदै
॥ कारोनंदवारोनटनागरभयोहैन्यारो:प्यारो
मिलवेकीमोकूँसुघरीबतायदे ॥ ३४ ॥ कोकि
लकलापीकीरचातककपोतआदि:कूकेंसुनिहू
केंजाकीकाहेकोंसह्योकरूँ ॥ सीतलसुगंधमंद
मंदगतिमारुतसो:चंदअरुचंदनसोंचितक्यौ
दह्योकरूँ॥ सिक्षाजोसुनावैजाकीसुनैंअरुगु
नैंकोंन:गुननटनागरकेगिनकैंगह्योकरूँ ॥ सु
षदुषदोउमांमैंहोयकैंबिलोमबसे:मिंतजोमि

लेतोमैंनिचंतहूवैरस्योकरूं ॥३५॥ स्वस्तीश्रीस ज्जनपुरमहासुभश्रेष्ठथाँनः उपमाँअनेकजेती प्यारेकूँलिषूँमैंधाप ॥ यहाँकछुकुसलतिहारेती नदर्सनतैंःचाहततिहारीमिंत्तअहोनिसजपों जाप ॥ नटनागरपूरनप्रसन्नतामिलोगेजबः महादुषअेकजाकोमोऊरबढोहैताप ॥ हायदि नरातीमेरीछातीयूँजरीहीजातीःकातीबिरहा कीनेंकपातीनाँपठाईआप ॥ ३६ ॥ राकापति रागरंगरहिसअलीनसंगःमोमनउमंगतजिप र्वसपरतजात ॥ बोलनबिहारबनवागनतडाग नकेःबारनेकभारधरपायनधरतजात ॥ बिरह पयोधजाकोबोधनकहाँलौंबारिःमोदिलथको हैजामैंबूडततिरतजात ॥ प्यारेनटनागरपयाँ नपरदेसकीनोंःतादिनतैंनेंनभरभरकेंढरतजा

त ॥ ३७ ॥ हायमनमेरोमेरैवसकोनरह्यौआ
ली:करनसिषाऊँतोहूअकरनकरतजात ॥ चं
दअरुचंदनकौंसीतलबतावतपै:परसदरसहूतै
मोउरजरतजात ॥ सीतलसुगधमंदमंदगति
मारुतयो:मीचकोसिषायोपंचप्रानकौंहरतजा
त ॥ प्यारेनटनागपयाँनपरदेसकीनोतादिन
तैंनैंनभरभरकेंढरतजात ॥ ३८ ॥ नेहकेसुनीर
मैंसरीरमेरोआदअंत:धीरनधरतहायदेषतगर
तजात ॥ विरहदवारपैंपतंगमेरैपाँचौंप्राँन:अ
नुक्रमहीतैंएकएकहीपरतजात ॥ लोयनकौंमृ
गमीनकंजषंजदाषतहै:झूठसबभाष्यौएतोझ
रनाँझरतजात ॥ प्यारेनटनागरपयानपरदेस
कीनोंतादिनतैंनैंनभरभरकेंढरतजात: ॥ ३९ ॥
वानतजिबावरीबयाँनसुनबेठढिग:हाँनहैया

बतोनकछुगिनीहाँन:माँनभयपँचबाँनजाँनिहैं निदाँनमैं ॥ नटनागरमाँनअपमाँनकोनहाँन हेजू:मैंहूँहयराँनहूगिलाँनतेरीआँनमें ॥ गन्यो हैआयानजेवोनाहिनसयाँनेहैरे: प्राननपयाँन कीनोप्यारेकेप्रयाँनमैं ॥ १४० ॥ बाँमचषआ जमेरैकाँनसोंकहैहैबात: त्योंहीभोंहवँकभ्रकु टीनसुषदेनीसों ॥ बाँमकुचबाँहत्याहींकरतउ छाहआज:होतहैरोमाँचसेरीदेषोकटिपैनीसों॥ प्यारेनटनागरपधारेंगेप्रदेसहूतें:जेहरकैरंगेजु ह्वपायरबजेनीसों ॥ सुगनसुहावनेसेहोतहैस हेली देषोपीठपैंहियाकोहारबिहरतबेनीसों ॥ ॥ १४१॥ श्रद्वाइननैननैंमैनाहिंननिहारवेकी: त्योंहींश्रोत्रबीचआयमहासुन्यलायोहै ॥ ना सिकारुरसनाँमैंभ्रमसोपरयोहेभारी: हाथपाँ

यडोलनँमैंनाँहींबलपायोहै ॥ नटनागरदूरव
सिवेतेंबसेएतेदूरः षाँनपाँनन्हाँननींदआदिले
गिनायोहै ॥ काहुनेंनगायोहैबतायोहैनवेदका
हूःरावरेवियोगकोमहाँनरोगछायोहै ॥ १४२॥
आलयमेंअपनेलषैहैलालसुपनेमें: बालहैबि
हालअतिचितमैंसँकानींसी ॥ त्योंहींसुनसुज
ससराहनाँसहेलिनसौंःसाँसेंभरिसिसकेंकढे
हैंप्रीतसाँनीसी ॥ नटनागरधारेपतिमनक्रम
बाचहूतेंःजाहरजनायजुपैंबाहरबिकानींसी ॥
सोकरससानींबिलषाँनीसीबधोसीबोलेः छी
नींसीछकीसीहँसैडोलतदिवानींसी ॥१४३॥
भोरढुषसारेयेबिलावेंगेपलेकमाँझः प्यारीक
हिमोकूँप्यारकरकैंपुकारेंगे ॥ न्यारेनाँरहेंगेवे
नीहारेंगेहमारेनैंनः बीपतबीजोगसारीहँसहँ

सजारेंगे॥सुगनहमारैमनदेतनटनागरके: आ
वनकीधावनसुनायहाकपारेंगे ॥प्रीतमपियारे
वेहमारेप्राँनपाहरूहै: प्रीतरीतजाँनपरदेसतेंप
धारेंगे ॥ १४४॥ वुद्धितैउठावतहैउद्यमअने
कभाँति:ग्रीषमकेओराज्यौंनिहारेनासपाय
जात ॥ जाहिपैंनमानतहैकरतउपायकेहू:सी
तकेतुसारमैंज्यौंअंवुजसमायजात ॥ नटनाग
रकहाँजायहायमैंसुनाऊँदुष:लाग्योआधीरो
गयोकरेजाभेरोपायजात ॥ मनकेमनोरथसो
मनहींमैवृद्धिपाय: मनहीमैफूलैफलैमनमैंवि
लायजात॥ १४५ ॥ नीरदेमनोरथकोप्रेमव
ल्लिपारीएक: जाकीगतिऐसीदेषोछिनमैंभईहै
हाय ॥ मोकूँहुतीलालसानिहारवेकीफूलफल:
भईनिरमूलजाकौकेसेंदुषकहूँगाय ॥ जाहीपर

उद्धवजूआयकैंअन्यायबोलैः कौनपैंसुनाऊँस
मझाऊँकितकहूँजाय ॥ नटनागरनेकहूनिहार
तेतोजानतेजूःरावरोकुपथमृगजरहूतैगयोषाय
॥१४ ६॥छंदघनाछरी॥जन्मसिसुताईरूकिसो
रताईपाईयहाँःगिनैंकाअनेककीनींव्रजमैजि
तीफजीत ॥ वंसीवटजमुनाकेनाहिनबषानैंफे
लःलोककुलबेदकाँनिगोपिनकीगईबात ॥ ऊ
धोनटनागरजूपातीदेपठायेआपः जाहिपैंलि
ष्योहैजोगजानोनहिगईनींत ॥ कालहहीपधा
रेजाकोंकालहूनबीतेकछुःमोहनहमारेआजगा
वततुह्मारेगीत ॥ १४७ ॥ बारबारहारहार
कहतपुकारतोसोंःव्रयामतमारनैंकधारधीरहा
रेतूँ ॥ सोहनटनागरकीबोलतउजागरमैंःनाग
रकहावेनाहिऐसीवितधारेतूँ ॥ मेतोदुषियाहौं

आठोंजाँमवीतदाधतही: ताहिकेअराधेसाधे नैंकदयालारेतूं ॥ भईममभागकीसहाईतेरीस हीहाय:गईकरजारैदेषदिसादईमारेतूँ ॥४८॥

बसंत: सवैया अंबकेमंजुलमोरकढे चलवागतडागपैंकीजेसमागम ॥ पीपरदेसन जाइवोउचितजाइहेंतोउरमैंदुषदागम ॥ जीन करोनटनागरचंचलमानियेस्याँमकबूकतोषा गम ॥ गायोहेरागगुनीरसछायोहैआयोहेकंत बसंतकोआगम ॥ १४९ ॥ केहैंकहासुनबीर बटोहूनगेहैंततोउनहैंसमुझेहैं ॥ सुधलैहैंकबैंन टनागरसोंकहोपेहैंमहादुषकोसिषदेहैं ॥ ह्वैहैं महामदनज्वरजीयतोओसकीबूंदलौंपोजबि लेहैं ॥ ऐहेंबसंतवजैहैंबयारनऐहेंपियाजम केगनऐहैं ॥ १५० ॥ इतकोसुधिदेहेंगुलावत्र

सूँनतैःअंबहुमोरदिषावहिंगे ॥ अरुकोकिल कीरकपेतकलापिमहामधुरस्वरगावहिंगे ॥ नटनागरबागनआगसोलागिहैंःधावनभोंरहु धावहिंगे ॥ इतनेंहैंबकीलहमारेसषीकाबसंत पैंकतनआवहिंगे ॥ ५१ ॥ अहोबटोहीविथा कीकथाकौंसुनायकहौनटनागरजाँहीं ॥ आई बसंतदहंतहैःहकोंद्योसनिसाकछुहीनँहिभाँ हीं ॥ हाअबबीरइतीबिनतीसमुझायसुनायक होउनपाँहीं ॥ पाँचहुप्रानप्रवासबसेउडिहैज्यौं कपूरवघूरकीनाँहीं ॥ १५२ ॥

वृषारत्तु ० कवित्त ओघटअनोषे घाटसूझताकितोंनबाटःनाटितमयूरगनजोब नउपटैमें ॥ गाजघनघोरघोरसोरपिकचात्रक नःजिगनूँउदोतहोतकुंजकेचुहटैमें ॥ राधेनट

नागरजूषेरथेकलंदीकूलः भोजत्तदुकूलषुलेपौं नकेउपट्टेमैं ॥ चपलाचमकदेषचपलचमकच लीःदोरदोरदूरहीतेंदुरतदुपट्टेमैं ॥ ५३ ॥ बद्दर नघोरजामैदद्दरनसोरभारीः नद्दरनषारतारल हैंगतिपूरकी ॥ झिंगुरनसोरहूपपैयनकीरोरप रःजोरबंधकोयलकेछिपीगतिसूरकी ॥ एसेमां हिंकुजपुंजगुंजतमधुपगनः आगरचलोननट नागरहजूरकी ॥ दहकषद्योतमहकतपरवा ईपौनःलहकलताँनतापैकहकमयूरकी ॥५४॥ प्यारदिनचारकरबदलबिहारकीनौः आईरितु बरषाकीमाँनौंमीचचेरीसी ॥ कारेअतिभारे न्यारेबादरबिकटदोरैः वीचबीचविद्युतलताहै कालभेरीसी ॥ नैननटनागरनिहारेबिनरोय रोयःआँसुनउमंडकरीओलन्कीढेरीसी ॥ ने

हकीउजेरीसोतोनिकटनपाईहाय: आँषिनह
मारीआगूँआवतअँधेरीसी॥ १५५॥

सवैया नटनागरराधिकाँकुंजमैंआज:ल
षीवरषारितुसादररी ॥ मुरलीअरुझाँझरबाज
तहै:पिकचातिकबोलतदादुररी ॥ चलस्वेदरो
मांचपैआयकैयूँ:बहिकैंसबहीभरेषादररी ॥ दु
तिदाँमनींसीमहारानींदुरै: तनसाँवरोसाँवरो
बादररी॥ १५६ ॥

कवित्त गावनलगेहैंअतिपावनमलार
गुनी:छावनह्मांमितकोहमारैकाँननायदै ॥झि
ल्लीकेकीचातिकओदादुरकेबोलनमैंविषसोभ
र्योहैतामैंअंम्रतबसायदे ॥ काँननमैंप्यारेनट
नागरपधारवेकी: अवधसुनायअर्धम्रतकजि

वायदे ॥ सावनकोआवनसुनायोपिकरावन नैं:आवनजीभावनकोधावनसुनायदै ॥१५७

सवैया चहुँओरतैचित्रबिचित्रचमूँ:वद रानिजरूपदिषावहिंगे ॥ पिकचातिकाझिंगुर दादुरमोरमहाउनमादबतावहिंगे ॥ नटनागर वृछलतालिपटीलषिकैं सुधिकानहिंलावहिंगे ॥सषिचातुरमासमैंआतुरह्वैकर:चातुरकानहिं आवहिंगे॥ १५७॥

कवित्त लालअरुपीतसेतस्याँमउठच्या रोंओर: घोरअतिभारीजोरझरेआतजातहै ॥ धूजतहैधरनीबिहारलषिबादरके: प्यारेनटना गरबिजोगतैंनभातहै ॥ अरीमेरीबीरधरधीर

तूँनिहारनींकें: मेघमतमाँनतेरीनाँहप्रांनघात हे॥ दासरथिरामरनरोषेदसमाथसीस:जाकी वाहनींकेरींछबाँनरदिषातहै॥ १५८॥ ठोरठो रमोरमुषमोरयेकरेहेंसोर: चोरचितचात्तकच वायमनचावेक्यों॥ जाहीपरदादुरयेदाहतहैमे रोदिल: झिल्लीपिकझारझारझीनोझीनोगावे क्यों॥ हारहारहाहापायकहोंसिरनायनाय: बिर्हनटनागरकोकोउविदभावेक्यों॥ दोरदोर आवेइतकारीघटाजोरजोर: घोरघोरहायवर सानेबरसावेक्यों॥ १५९॥

दोहा प्रेमपत्रगोपीनप्रति:ग्यानजुक्तकहि गाथ॥ कहतकृष्णप्रतिपुनिकथासुनिंहरिहोत सनाथ॥ १६०॥

अथउद्धवकोबोलवो श्रीकृष्णप्रति (पद)

उधोविसरगएसबवातैंवेनँदनंदनदूरबसंतका
मथुराँनिकटयहाँतैं ॥ कबहुँकतोयाहूमिसआ
तेमातपिताकेनाते ॥ छुटननपावतराजकाजतैं
काविधिआवैयातैं ॥अबजाँनोइतलाजलगतहै
व्रजबिचबदनदिषातै ॥ ओरसबैंतुमसोंपूछेंगे
निसाकछूयकजातैं ॥नटनागरकीहालसुनादो
कुबरीजुतकुसलाँतैं ॥ १६१ ॥ सोरव्रजसोंवर
वसायोनाथमैंपातीदेपछितायो ॥ काजानैंतु
मकहालिष्योथोजाकोफलमैंपायो: ॥ जितति
तजायकितहुँनहिंआदर: महाअजससिरछा
यो॥ माधोमैंपंडितपनतजिकैं:उँनकोगायोगा

यो ॥ सीषसुनायकहीसवहनसों:काहूमननप त्यायो ॥ उमडीप्रीतघटादसदिसतैं:वरसप्रवा हवढायो ॥ भरभरढरतढरतफिरभरभर:उम गिउमगिझरलायो ॥ज्ञाँनभक्तिवैरागबिचारो: इकपलमाँझवहायो ॥ व्हाँनचलैप्र ज्ञाँदिकहू कीःकरैआपनोंभायो ॥ कोउनसुनेंकहेकछहू नांचलैकहासमुझायो॥पूछैकवनकहैकोउनतैं: नाहकफिस्योषिचायो ॥ आपसबीचकरैमिल वतियाँ:रोरारोरमचायो ॥ कुवज्याकूरकंसकी दासीः वासूँमनउरझायो ॥ यहाँकौनरोकत थोउनकों:वहाँजायकियचायो ॥ देअक्रूरक्रूर मतउनकेउद्धवसहितगिनायो ॥ हाहापायपाँ यसवकेपर:मुसकलछोरछुरायो ॥ प्रेमपयोधि मग्नसववेतो:वृथामोहिपठवायो ॥ वेउनमत्त

मत्तप्रेममैं:कहाँओरमतआयो ॥ नटनागरक छुकहतबनैंना:उनकोकोलनिभायो ॥ १६२॥

दोहा पुनिउद्धवतैंकियप्रसन: कृष्णअत्त भक्तपाल ॥ हेकोतिकममसुननहितबोलीका व्रजबाल ॥ १६३ ॥

अथ प्रेमपत्रिका पच्चीसी

सवैया बसीठिहुरावरीफीटिपरीयहँजो गकीचिठिजरीसजरी ॥ व्रजवासीतोप्रीतउ पासीभए:इनकीजगहाँसकरीसकरी ॥ अहो ऊधोजसूधोसोमारगछाँडिकैंआँडक्योंहोहि अरीसअरी ॥ नटनागरतोनिरबंधभएहमप्रेम केफंदपरोसपरी ॥ १६४ ॥ समुझावतकोंनक हासमझेहमतोयहँआनबरीसबरी ॥ दुपया

सुषलाभनहाँनकहा: विधिरेषलिलारधरीसध
री ॥ अहोउद्धवजापैयोजोगलिष्योयहैंजोगन
हीहैअजोगकरी॥नटनागर० ॥ १६५॥ नहिं
गामसोंधामसोंकामकछूहमनेहकेनग्रढरीस
ढरी ॥ कुलकाँनरुलोककीलाजसोंआजउजा
गरहोयटरीसटरी ॥ अहोउद्धवजूकितनीक
कहैहमतोयहँप्रीतभरीसभरी ॥ नटनागरतो
निरवंधभएहमप्रेमकेफंदपरीसपरी॥ १६६ ॥
यहँप्रीतकीरीतनप्रतीतसुनीकछुनीतअनीतषरी
सषरी ॥ तुमजाँनतनाँहिअजाँनभएकछुभाग
कीरीत्तफरीसफरी ॥ अहोउद्धवजूनिसद्योसय
हाँ:केउबूडीसोबूडीतिरीसोतिरी ॥ नटना० ॥
॥ १६७ ॥ उत्तजायउजागरवेतोभएहमनेहके
नेमछरीसछरी ॥ वहजीवनमूरतोजोगलिष्यो

हमप्रीत्तकेरोगमरीसमरी ॥हमकोंवयरागवहाँ अनुरागनसोचकछूहेहरीसहरी ॥ नटना० ॥ ॥१६८॥ इकआएथेकूरअक्रूरइहाँउनसोंभरपे ठलरीसलरी॥ वहवेदपुराँनकीरीतकहैंइत्तनैंन तैंनीरझरीसझरी ॥ हमहारेनटेकटरैंकबहूँयह प्रीतपयोधगरीसगरी॥नटना०॥ १६९ ॥ रस ग्रंथकीरीतकुरीतभईविपरीतकेपंथचरीसचरी ॥ उतकूबरीनीतिनिधाँनभईइतओरहिघाटघ रीसघरी॥ जहाँउद्धवसेअकरूरसुसाहिबःसा हिबरीतसरीससरी ॥ नटना० ॥ १७० ॥ क होकोंनसेवेदपुरानकेवाक्यअवाक्यसौंप्रीतफ रीसफरी ॥ यहैपातीनछातीपैकातीधरीःहम रीसुनिवुद्धिगरीसगरी ॥ व्रजवासतैंऊधोप्रवा सकरोःअबपूवसीछातीदरीसदरी॥ नटना०॥

॥ १७१ ॥ मतिगोकुलकीकुलकीतजिकैंभजि कैंउरचेरीभरीसभरी ॥ हमतोबिगरीसिगरीव्ह जग्वालनहोंहिसुरीननरीसनरी: ॥ अबयाहि कोसोचसँकोचनहींसबप्रीतकेपंथडरीसडरी॥ नटना० ॥ १७२ ॥ कहोकोंनसेनेमकहोकुल कोंनसोकौनसीजातधरीसधरी ॥ कहोकोंन सोसासरोपीहरकोंनहैप्रीतकेरंगगरीसगरी ॥ हम उद्धवजाकजसारेतजेवहेंवाविधदेषोकरीस करी ॥ नटनागर० ॥ १७३ ॥ वहप्रोलजसो मतिकीपारत्यागसषांनपैहाँनधरीसधरीअरु नंदकेभागकिएअतिमंदसोव्हवकीसुद्धभलो विसरी ॥ कितनेगुनओगुनकैसेंकहेकहतैंयहँ जोहअरीसअरी ॥ नटना० ॥ १७४ ॥ जबदा नीहैमाँगतथेदाविदाँन:नदेतथेजापैषरीसषरी

॥ वहमीठोसोगायबजायकैंवाँसुरी:नाचनचा
यकैदासिकरी ॥ फिरहाहाषवायनँभायकैंनेंम
अनेंमह्वैलागमरीसमरी ॥ नटना० ॥ १७६ ॥
फिरफागमैंवाअनुरागरँगेरुसुहागगुलालडरी
सडरी ॥ अतिप्रीतअबीरसुबीरसमेत्तउडावत
धुंधअरीसअरी ॥ जिहिंसौंअबलाजतराजत
ह्वांयहाँजोगकेसाजजरीसजरी ॥नटनागर०॥
॥ १७७ ॥ जबकुंजकछारकलिंदिकेकूलपै फू
लकेफागमैंगोदभरी ॥ फिररागसुनेंअनुराग
रँगीह्वैसुहागकिमचिअनेकझरीसुषसारेगिनें
इकचेरिकेसाथ:यागाथतैंदेहजरीसजरी ॥ न
टनागरतो० ॥ १७८ ॥ वहैंदासपवासमैपा
सरहैउपहासकीबातनजीयधरी ॥ बिनजोग
लिषेंहमसाधतजोगयारोगसौंदेहगरीसगरी॥

अबउध्धवहारेहाहातुमसों॰ रहियेचुपचापक
रीसकरी ॥ नटना॰ ॥ १७९ ॥ वहेंवाँसुरी
कीसुनआँसुरीकाँनन॰काननँधीरकबूनधरी ॥
नघरीकहुँचैनपरैघरमैंमनमैंनबियोगअधीर
करी॥वहेंवानविहायबिकायगयेहमैंहाययहीकैं
भुलायमरी॥नटना॰॥१८०॥ व्रजरानीतोआ
जबिरॉनीभईपटरॉनीसुहॉनीसीकुब्जकरी ॥
वहैंचेरीरचीचितकीलषिचातुरिआतुरसोंकर
प्रीतबरी ॥ अबवाहिसोंनेहनिभाइयोजूवहैं
आपकेभागहुतैंउबरी ॥ नटना॰ ॥ १८१ ॥
वहैंकूरकलंकिनीकंसकीदासिउपासिहूवाके
सहैदुषरी ॥ नहिंचेनपरैपलदेषेबिनाहरियाय
लज्यौंपकरीलकरी ॥ अहोउध्धवनेंमनप्रेमको
जॉनतदेहोंसुनायपुकारकरीनटना॰॥१८२॥

कबप्रेमकोपंथपिछानतेतोनाहिंठाँनतेयाव्रज
सोंजकरी॥कुलटानकेफंदफंदेहोफबेहमचेनभ
योसुनकैसगरी॥इतउध्धवकोंपठबायेहजुहुल
सैहियबातसुनेतुमरी ॥ नटना० ॥१८३॥
हमप्रीतकरीथीप्रभासुनकैंगनिकागजगीध
अरूसिवरीकपिकीरकिरातबिष्पातहेबातसु
याहितैंनेंकनजीयडरी ॥ फिरिधूप्रहलादभभी
छनसेमनधारिकैंनाथयंभीरकरी ॥ नटना०॥
॥ १८४ ॥ हमसूधीकौंटेढीगनीगनिकावात्रि
वंकक्कोंअंकधरीसधरी॥फिरवाहिकोआयसपा
यअहोनिस:राजकेकाजसुधारतरी ॥ जिनके
हितहायवसीठभए:तुमैंलाजनआजभईजब
री ॥ नटना० ॥ १८५॥ नवनीतकेचोरनिहा
लभएनिधिकूबरीपायउजागररी ॥ यहैभाल

कीबातबिचारियेजुबिचकूपपरेगुनसागररी ॥ फिरलाजनआजलौंताकौंकछूःभयेनंदकेवंस उजागररी ॥ नटनागर०॥१८६॥ पसुवाँनमैं प्रेमकोनेंमसुनोंजलहीननजीयतहेसफरी ॥ मृगमोरचकोरअहीभ्रमरेफिरचातककंजअरू मकरी॥ चकचंदलषेंअतिहोतहैमंद कमोदके वृंदमहासुषरी॥ नटना० ॥ १८७ ॥ व्रजवासतैंआजउदासभएयहाँदासरुदासीनथीसगरी ॥ रहिवाकीषवासीमैहाँसीकरीयहँलागत हैहमकौंविषरी ॥ अबउध्धवयोंसमुझायसुनायकहोव्रजवालतोयोंझगरी ॥ नटना०॥१८८ व्रजवासीमहादुषरासीभयेतुमदासीविलासी कीछापधरी ॥ यहैहाँसीहैफाँसीकैथाँनहमैतुमदोनूहींएकसमाँनकरी ॥ व्रजधीसकहायकैं

कूबरीईसकहावतलागतरोसजरी ॥ नटनागरतोनिरबंधभएहमप्रेमकेफंदपरीसपरी १८९

दोहा संवतअष्टादससतकःगएसत्पानूओर ॥ श्रावनशुक्लत्रयोदशीःभईपचीसीभोर ॥ ॥ १९० ॥

सवैया उद्धवजूमनजोउमग्योउततोइत्तहूउरबीचउछाहथो ॥ चेरीरुचीउनकीलषिचातुरीचोजकहाचित्तकोउतचाहथो ॥ प्रीतकीरीतकरीनकरीनटनागरसोंकहोकेसोनिवाहथो ॥ जोहमसोंहितहाँनकियोतोउभूलिवोवाहरिकौंनसहथो ॥ ९१ ॥ छाँडतनापलएकअकेलिनपोढतहोपरजंकपैदंपत ॥ आपकेपाँवपलोटतहैवहवाकेपदाँनललात्तुमचंपत्त ॥ उद्धवयोंक

हियोसमुझायकैंवाहिकोनाँमअहोनिसजंपत्त
॥ कूवरीकौंनटनागरजूकरिराषीभलीतुमसूम
कीसंपत ॥ १२॥ पूरबरीतभईसुभईफिरछूटछु
टायगईनहिंमाँनी॥ येब्रजलोकउचारतयोंनँद
लालबिकेअरुयेहूबिकाँनी ॥ प्रीततुह्मेंहमैंतूट
गएकीप्रतीतभईसबकौंयहँजानी ॥ जादिनतें
नटनागरजूकरिरूपसिरोमनिकूबरीराँनी १३
हमजानतहैंलरिकापनत्तैंजिनकेछलछंदअरूर
सरोती ॥ जोगकीपात्तीलिषीनटनागरजाँनचु
कीपहिचानहुबीती ॥ इकउद्धवओरसुनीकहैं
थाअबपागेहैंस्याँमवहाँकोउतीती ॥ पोयनये
वोनई हैप्रियावेनयेनएपंथनईनइप्रीती॥१४॥
सुनोवेजदुवंसीहैराजकुमारःहमैंकछुनापहचाँ
नहेजू ॥ तुमपातीलिषायकैंलायेइहाँ [illegible]हाँकि

धोंसाहनकामहैजू ॥ उलटेफिरजाइएह्वैहैंअवेर किधोंयहँरावरीवाँनहेजू ॥ उतवेनटनागरनंद केनंदनउद्धवप्रानसमानहैंजू ॥ १५॥ अहोउ द्धवचेरीसुनीहैंनईःनटनागरकोंसुषदायनहैं ॥ वहकूरकलंकनीराँनीकरीब्रजवासिनकोंदुषदा यनहैं ॥ अनुरागउत्तैंवयरागहमैंःफिरज्ञानइहैं मनभावनहैं ॥ वहकूबरीकोंसबनायनबोलत नायननाहिकसायनहैं ॥ १६ ॥ जादिनकीवह नारमिलीःत्तबतैंनितजोयबधायनबाँटै ॥ वेन टनागरहैभँवरेअबक्यौंडरिहैकहोकेतकीकाँटै ॥ यौंब्रजबालाकरैबत्तियाँजहाँऊधोसनानकरै नदघाटै ॥ औरसषीनइएकसुनोब्रजराजविको टुकचंदनसाँटै ॥ १७॥

कवित्त लोककुलवेदलाजजाहितअका

जकीनी:जोकरसप्रीत्तबीचसघनसनेरहो ॥तो
न्योहितइततैंसुजोऱ्योउत्तनयोनेह:जाहूकोन
सोचपोचभ्रकुटीतनेंरहोकूबरीभईहैरॉनीहम
तोबिगॉनीहाय:तोऊविनदामनॅंकोदासिकाग
नेंरहो नटनागरक्षेमजुतआपजुगकोटिकलों:
चित्तकीलगनजहॉंमगनबनेरहो ॥ १८ ॥
आएइत्तउद्धवलिषाइल्यायेजोगपत्र:आपन
कौंसीषचेरीदेषेंजीजियतुहै ॥ नटनागरप्रीत
कीप्रतीतकीनरीतजानै:देषोरीअनीतराजका
जकीजियतुहै ॥ केतिकगिनावैंपारनावैयासा
आदऐसीएकनअनेकशुनवातैंरीझियतुहैं ॥
मथुरॉंमैंआजकालऐसीसुनपाईमाई: कूबरीक
न्हाईकीदुहाईदीजियतुहै ॥ १९ ॥ एहोजदुइं
दध्यापठाएआपउद्धवकों:सोसबसुनाईहाय

योंउतधसेरहो ॥ कैसेंजगवंदरुकहायेव्रजचं
ददेषो ॥ चेरीकुलटाकेउरनिसदिन्नसेरहो ॥
नामनटनागरधरायोक्यौंनआईलाज:नंदजू
केनंदइतभृकुटीकसेरहो ॥ आसिषअमंदऐ
सेंकहैव्रजबालाव्रंद:मंदकूबरीकेमृदुफंदनफ
सेरहो ॥ २०० ॥ बसीठीकेकामधांममथुरांके
बीचजाकों: आयोयहँगाँमनाँमजाहरसुनायो
गाय ॥ मुक्तिकाजजोगवयरागकीलेआयोपा
त्ती: ॥ छात्तीअतितातीहोतजाकेबांचवेकूंपाय
नटनागरदूरनहमारेघटपूरनहै: जाहीपरदेषि
येजूइतनोअन्यायहाय ॥ मोहनसिषावतेतो
सारीमिलसीषजाती:उद्धवसिषावैज्ञानकौंन
विधिसीष्योजाय ॥ २०१ ॥ आपभलैंआ
एसाथपत्रहूलिषायल्याये:सबमनभायेगाये

जातनँगिलांनीहै ॥ हमहैंगवारीवेसबारीसब
व्रजवारीःभारीमतवारीएकसुनीकांनबानीहैं
॥ नटनागरसागरहैगागरसमावैकहांःहमहैंउ
जागरउचारेंजामैहांनीहै ॥ ऊधोकहाछानीतु
मअबलोंनँजानीहायःजैसीउनठांनीसोतोअ
कथकहांनीहै ॥ २०२ ॥ व्रँदावनबीचऊधोसँ
कगुरुलोकनकीःमथुरांप्रवेसकैकैंनिपटनिसँ
कभो ॥ ललितत्रिभँगीनटनागरकहायहायःवँ
कदासीसँगबैठचितहूत्रिवँकभो ॥ कँबूपयगँग
कीतरँगतैमहांनशुभ्रःयशकोसमुद्रऐसोवृथा
जतपंकभो ॥ चंदवंसीअवतंसमोहनमयंकशु
द्धःपूरनप्रकासबीचकूबरीकलंकभो ॥ २०३॥

सवैया कहाकहुँआपकीयाबुधकूँगुनकेतु

मलालजूसागरहो ॥ वहैंकूबरीकौंपटराँनीक
री:अगुनीहरिजूगुनआगरहो ॥ नहिंदीषपरे
तुमसेअबलोंनिकलंककलंकमैनागरहो ॥ वैहै
जातकुजात्तहैकूबरिया:नटनागरवंसउजागर
हो ॥ ४ ॥ अहोउद्धदयाविधिजायकहोअबकू
बरीसीप्रथमादमैंकोहै ॥ सुरलोकभुलोकरुऔ
रत्तलातलसात्तहुदीपकोदीपकसोहै ॥ नरीअ
सुरीसुरीत्ताहिपैवारत्त:सोहनीमोहनीमूरतजो
है ॥ हदजोरोमिल्योनटनागरजूजोअलषहि
आपअजातहिवोहै ॥ ५ ॥ कामँनऔसीलिषी
नँसुनी:तिन्हैछाँडत्तनात्तुमआठहूजांमन ॥ जा
मनमैतुममायगएअरुछाँडदयेघरकेपुरधाँमन
॥ धाँमनढाककीछाईकुटीनटनागरजूवहैकूब
रीभामन ॥ भामनमैवसिकीनेभलेहदकीनेल

लापरकूबरीकाँमन ॥ ६ ॥ वेपतियाँलिषवेज
तियाँमत्तकीछतियाँकतियाँसीषगीहै काकहि
एउनकीगत्तकीइतकीतजिआसकीचेरीसगी
है ॥ वेनटनागरकानिरदोषत्रिदोषभरीसनत्री
तपगीहै ॥ आजहिकालसुनींहमतोवहकूबरि
याअबकाँनलगीहै ॥ ७ ॥

कुंडलिया कुबरीअंगनिहारकैंरीझेथेन
दलाल ॥ हौंसजिन्हैकछुहीनहीः हालहितैंबेहा
लहालहितैंबेहाल ॥ ष्वाबद्वाराँपुरआयो ॥ चौं
किचकित्तह्वैरहेःरूपचेरीकोछायो ॥ नटनागर
धरिध्याँनःलिषततनदुबरीदुबरी ॥ आधेआधे
वोलकढतहाकुबरीकुबरी ॥ ८ ॥

अन्योक्ति सवैया बरणाश्रमकर्मउ

पासनमैं:द्रढनेमसुन्योसिरतातैंधुन्यौं ॥ व्रत
त्तीरथजग्यपुरानकुरान:मैंनेंमको जाँनकैंनाहि
गुन्यो ॥ पुनिलौकिकिकहीविवहारमैंनेंमप्रधाँन
कियोतबनाहिचुन्यों ॥ नटनागरनेमसुन्यौंस
बमैंपरप्रेममनैं मलष्योनसुन्यों ॥ ९ ॥ जाहर
हकलिकेनरनाहरबाहरसुद्धनँमाहरमाँहीं ॥ माँ
सतथामदिरादिकसेवतलूंडछिनारमहामन
भाँहीं सुक्रतकाजतोलाजलगैअरुसाधुसमा
कोंदेषिडराहीं ॥ गाहकथेजबथेनगुनीरुगुनीं
अबहैतबगाहकनाँहीं ॥ २१० ॥

कवित्त भागीरथरघुअजदसरथरामचं
द्र:कव्यनप्रतापदेषोअजोंलगिछाएहैं ॥ नटना
गरयादवकुरुवंसआदिदेकैंओरहूअनेकन्रप
अषेपदपाएहै ॥ भोजअरुविक्रमसेकव्यनकरे

प्रसिद्ध:कव्यनजोगाएदाताअजोंनाछिएहैं ॥ब
धरावतद्रव्यपायकविविसरायबेठे:बढेजेगवाँर
तोगवाँरननेगाएहैं ॥ २११ ॥ अरथकिएँहींवि
नअरथअभ्यासजाय:वर्णलघुदीरघकोजथा
जोग्यकढिवो॥मात्राअनुसारछंदभंगकोविचा
ररापै:स्वरललित्ताईसोंसभाकोचित्तमढिवो ॥
चातुरव्हेचाकरसुनेतेंऐसेआषरन:मूरषहूमो
नगहैवाकेचित्तचढिवो ॥ नटनागरऐसेंजोपढै
त्तोमनमोहिलेत:चित्तनपसीज्यौतोकवित्तको
नपढिवो ॥ १२ ॥ कहासत्रुमित्रत्ताईजामैंवर
प्रीतिनाहि:कहाप्रेमनेमजहाँजाहरनिवाहनाँ॥
कहासनमंधसगेपुत्रभ्रातमाततात्त:कहाकुल
गोतजामैंवेदरीतराहनाँ ॥ कहानटनागरजूना
गरताअंगअंग:गुनरूपदोऊमिलेत्ताकीहैसरा

हनाँ ॥ कहावोकबाँनजातैंअरिकेनहरैप्रॉन:ते
वेनैंनकहालागेंनिकसतआहनाँ ॥ १३ ॥ रूप
सोंनजोबनसोंकामधनधामहींसों:नाँमसोंन
काँमदेषोदीननँदुनींकेहैं ॥ बीनरुरबाबआदि
नाँमकेनआस्यकहैं:आस्यकप्रत्तच्छएकमधुर
धुनींकेहैं ॥ नटनागरकाहुसोंविवादकरनोंहीं
नाहि:जाहरहैहालमस्तत्ताहीबीचनींकेहैं ॥ न
रकेनगाहकत्त्योंगाहकननारिहूके:यारिहूके
गाहकनगाहकगुनींकेहैं ॥ १४ ॥ योजगवना
एँविनकोनभाँतिबन्यौऐसो:जाकौंकहैंस्वते
सिद्धसाफबुधवारेहैं ॥ ग्यानकोनलेसकौंनभाँ
तिहैप्रवेसदेषो:कहाउपदेसकरैभ्रमत्तमभारेहैं
॥ नागरतादेषोनटनागरकीठोरठोर:जिनकूँल
षातनाँहींभीतरसोंकारेहैं ॥ सोधनकियोनसा

रनर्तनबिसारिबैठेः बोधमतवारेत्तोअबोधमत
वारेहैं ॥ १५ ॥

सवैया भाँनकूँकाउपमाँनषद्योतकीःरंक
समाँनधनेसकूँकीजे॥ साँपधराकेसमाँनकासं
करःडीडूसमाँनकासेसगनीजे ॥ नटनागरसाँ
चरुझूठसमाँनकाःज्यौंकुलटाकुलवाँनभनी
जे॥नैंनकूँओपमाँबाँनकीकात्यूँकबाँनकीओप
माँभौंहकूँदीजे ॥ १६ ॥ आलमसेषसुजानघ
नाँनँदजोजगबीचयाजारअरुझोःरंकरुरावको
भावनहींयहरंगरंगोजिन्हैओरनसुझोःवाअल
वेलीसीलेलिनिहारेंकंपूतपठानकोजहारजु
झोःजाँनअजाँनभयेनटनागरप्रेमकोंनेंमप्रवी
नसोंवुझोः ॥ १७ ॥

छंदवरवे कूकनलगीकुयलियाँ:मधुरस हाँन: हाहामिंत्तबियोगतैं:निकसतप्राँन ॥१८ मोउरलाएमितवा:विरहदवार ॥ कियउधूरनि जकरतैं:अपनअगार ॥ १९ ॥ चहकनलगे चतकवा:वरसनलाग:बूँदपरसमोअंगपैं:मान हुआग ॥ २२० ॥ उमडेस्यामबदरवा:केकी कूक ॥ कीनहुमोरकरिजवा:सबमिलटूक ॥ ॥ २१ ॥ लागहुमासअसाढहु:भूहरियाँन ॥ मिंतविरहजलवहमैं:पकरहुपाँन ॥ २२ ॥ मूर तमैरैमितकी: चषउरमाहि ॥ सुरतजगतहि यचषतैं:निकसतनाँहि ॥ २३ ॥ एरेमिंतव हांजा:काढुषदीन ॥ सबसुषमेरेअँगतैं:लीने उछीन ॥ २४ ॥ छेकेउमोरकरिजवा:विरह बँदूक ॥ तबतैंचलतरहेनाहि:हाउरहूक: ॥२५॥

देषहुयहँविपरितगतःवरसतमेह ॥ तऊझारन
मिटतीःप्रजरत्तदेह ॥ २६ ॥ देषहुयहँकस
लाग्यौनेंनँनेंनेह ॥ बुडेजलहिरहतहेःसूकतदे
ह ॥२२७॥ मैनविरहदुष जानतःनैननदीन ॥
कानँनँकरधरसरकेकेसीकीन ॥ २८ ॥ षटक
तमोरकरिजवाःमुसकनमंद॥काविधछूटहिहा
हाःकोमलफंद ॥ २९ ॥ मंदमंदमुसकनतैः
गाफिलपारि जाविचभौंहकटाछनःलीनेउमा
रि॥२३०॥ एहोमिंत्तवहांजाःसुधिहुनलीनः
॥ विरहविथाकियतनकूंःछिनछिनछीन ॥
॥ ३१ ॥ मिंतमोरदिलसगुनजुःअँछरयाहि ॥
वसतअर्थसमतिततुं ॥ क्यौंविलगाहि ॥ ३२॥
सज्जनकथाविरहकीःलषियनजाय ॥ कहिहैं
यहँअंवुदउतःकछुसमझाय ॥ ३३ ॥ मिंत्तभ

एमोसोंक्यों:कठिनमहाँन ॥ चलनचहतहैअ
बतो:पाँचहुप्राँन ॥ ३४ ॥ दीनीमिंतजुहेव्है:
विपतबलाय: ॥ गीनतहुँसंपतसोही:कहिय
नजाय ॥ २३५ ॥

सोरठा थिरह्वैलहैनथाह:प्रीतकूपसबहो
परे॥नहचेकठिननिवाह:करतैंकछुनाहिंनकठि
न ॥ ३६ ॥ हेयहँबातअनूप:अचिरजमान
तमोरमन ॥ विनसीडिनकेकूप:परेमरेफेरूँपर
त ॥ ३७ ॥ नाहिनकढनउपाव:प्रीतउदधि
माहैंपरे ॥ नहिनवकाघरनाव:नहिंमलाहन
हितूमरा ॥ ३८ ॥ जावेडूबजिहाज: जावि
चकोपेऱ्योचहै ॥ पहूँचैकाविधपाज:विरहपौ
नअतिसयप्रबल ॥ २४० ॥ लागउठीउरआ
ग:वुझतनपागेउदधिमैं ॥ बूडकढेलेथाग:झार

कढेमुषद्वारह्वै ॥ ४१ ॥ विधसौंनैकबिचार
रतवीवक्योंतपततूं विरहादरददरारःपूरनह्वैन
विरंचिसूँ ॥ ४२ ॥ उनकोजतनअनेकःघाय
लगतके उसस्त्रके टाँकापटीनसेकःबिरहकटा
रीसोंबिधे ॥ ४३ ॥ पुनिकितसाँझप्रभातः
षिनषिनबीततवरससम ॥ दरदीकूँदिनरातः
कटनमहाअतिसयकठिन ॥ ४४ ॥ जरेहरेहो
इजायः आगपरेआरन्यमेंफेरनहीहरियायःवि
रहाअगनीसोंदेह ॥ ४५ ॥ नरतनपुरसोपा
यःवरषाकालबिचारिकै ॥ बिरहाआत्तिथआ
यःउरतिचन्यायनिवासकिय ॥ ४६ ॥ तेनहिं
जामेंफेरःबिरहकुहारेसोंकटे ॥ बरसैसुधाघने
रःसिच्छाअंनुदछायकै ॥ ४७ ॥ अजबअ
नोपोघायःबिरहसस्त्रअतिसयवुरो ॥ नाटसा

लरहजाय:नाहिंसालदरसालना ॥ ४८ ॥
कुलमंत्रजादध्वजधार:लोकलाजकोनावकरज
दपहोचैगापार ॥ करनधारकरबेदमत ॥४९॥
विरहाउदधिअथाह:मितरूपजामैंरतन ॥ मर
नठाँनिपरमाँह:मरजीवाकोधारिमत॥२५०॥
जापैंनिधरकनाच:बरतबाँधिनिजसुरतकी ।
जबमानैंजगसाँच:गैंदबनालैसीसकी ॥५१॥
हाकेसोदुषदीन:नहिंमाऱ्योपाऱ्योनहीं ॥ पं
छीमनपरहीन:कीनोंबिरहाबधिकनैं ॥ ५२ ॥
नाहिंनलुकनसमाज:दिलद्विजवुधिपरबिरथ
भें ॥ बिरहअचाँनकबाज:आनिपऱ्योआकास
तैं ॥ ५३ ॥ होतछुयेंमतिहीन:आयधनंतर
हाथकौं ॥ विरहहलाहलपीन:वंचैनाहिविरंचि
सौं ॥ ५४ ॥ तिनकोअतिअनुराग: ॥ चारु

बुद्धिचतुराँनकी ॥ रागअलोकिकआग:जारन
विरहीजनहृदय ॥ ५५ ॥ विरहीमारनधार:
प्रेरतहैलूलपटकूँ ॥ ग्रीषमअजबगिबाँर:कहा
जरेकूँजारही ॥ ५६ ॥ बाँननैंनसंधाँनभोंह
कवांनकसीसकै ॥ मानहुमदननिसाँन छूटत
उरमैंरुपिरहे ॥ ५७ ॥ लयेसकलसुषछीन:
बिरहाआमिलआयकैं ॥ आहलकुटियादीन
दिलदीकंमरतोरकैं ॥ ५८ ॥ जालमविरहज
वाँन ॥ कांतसम्रतमादिकपियें ॥ ऐचीकाँनक
माँन:प्राँनवचैतउपटकिहैं ॥ ५९ ॥ जोजाही
कोंपाय:कहोताहिकोडरकहा ॥ तारषहूजरि
जाय:विरहाभुयँगफुँकारतैं ॥ २६० ॥ मूसप्री
तमैंनाय:मोदिलपीतररूपकों ॥ विरहातपत
तपायकीनोंसोनोंसोरमों ॥ ६१ ॥ धारलई

चित्तधीरःनैंबांनदुयषायकैंः पंचबाँनकीपीरः जातनबाधाक्यौंकरै ॥ ६२ ॥ भोंहकबांनक ठोरः काँनबराबरताँनिकैं ॥ त्रानत्वचातनफो रःनैनबाननिकसतभये ॥ ६३ ॥ अँचैमदन मनओपःरितुबसंतजोबनलहर ॥ लज्जाअंकु सलोपिःमनमतंगउनमत्तफिरत ॥ ६४ ॥ सोसँजोगसुषदाँनःवारोंमिंतवियोगपैं ॥ हे वियोगसंगत्राँनःवहसंजोगसुषथिरनही॥६५ वृछलगावतकोयःपयपावतरिच्छाकरत ॥ तो सीकैसैंहोयःबोयबडोकरकाटिवो ॥ ६६ ॥ इस्कअजबउरझेरःपऱ्योआँनिमोसिरपसरि॥ चाहूँकियोनिवेरःनहिसुरझतउरझतअधिक ॥ ॥ ६७ ॥ एहोमिंतअनींतःकीनींतैंमोसोंकठि न ॥ हाकैसीयहँप्रीतःसुषलैदुषबदलादयो॥

॥६८॥ हैव्याधीमनँमाँहिसोतूँजानतनैंकनां॥
नसतरकाढतकाँहिःतनरंगछेदैंहोतका ॥६९॥
दिनबीतेंदुषपीनःहोतजगतसाँचीकहतनित
ञतहोतनवीनःविरहव्याधिविपरीतगत ॥७०
पूछेकियेउपायःजितेसयाँनेजगतके ॥ दिनदि
नदूनेंघायःमोउरतैंनाहींमिटे ॥ ७१ ॥ बचैन
योबोसारःकोटिजतनयाकेकरो ॥मिलैमित्तदी
दारःजीवोहैयाकोजदिन ॥ ७२ ॥ गईकरैजो
पायःविरहआगअतिसयबिकट ॥ एकहुनाहि
उपायःकियोनहैनकरैनको ॥ ७३ ॥ योंदमक
तइकदागःमोऊरऊजरबीचको॥ मानहुजरत
च्चिरागःसुनेंसहरअटाँनज्यों ॥ ७४ ॥ हितक
रअधिकहँसायःभोरेह्वैअतिभूलदै ॥ फंदनबी
चफसायःनैनकुटिलन्यारेभये ॥ ७५ ॥ सुन

हुपथिकममसीष:निकसोजोवापुरनिकट ॥ द
रसभिष्यारोभीषमाँगत्तयोंकहिदीजियो ७६
नैनांनिपटअन्यायकियोसकैसेंमैंकहौं ॥ अब
यहँदेषोहाय:करकाँननधरदूरहै ॥ ७७ ॥ फँद
बँधनासिथलात्त:कालकठिनगाफिलबधिक॥
मनषगक्यूँअकुलात:अबकाउडिहैंछूटिकर ॥
॥ ७८ ॥ भईअचाँनकभेट ॥ पाँवसुबुधितूटत
सतैचीताविरहचपेट:मोमनम्रगकोकोनगत:
॥ ७९ ॥ बेठेमिंत्तबिसारगतइतकीकितियक
लिषूँ: ॥ विरहामरुततुसार:जारतमोमनकम
लकों ॥ २८० ॥ करिनीमीतनिहार:कपटफै
लऊपरकियो ॥ मोमनकुंजरपार:नैनबधिक
याविधिलषो ॥ ८१ ॥ विरहाविषमदवार:मन
बनकेदाहतविटप ॥ यहँअचिरजहैहाय:डहड

हातनितप्रेमतरु ॥ ८२ ॥ होहिविजयनहिहा
रःमिंतसहायकहैनिकट ॥ बिरहाबाघबकारः
मोमनजुधजूटतभयो ॥ ८३ ॥ रेमनमृगनिर
धारःमिंतसहायकहेरमग ॥ कीनोंकहाबिचा
रःवैरबिरहमृगराजसूँ ॥ ८४ ॥ विरहअमोघबं
दूकःअभिप्रायहैंअस्त्रसम ॥ करतकरेजाटू
कःत्वचामाँहिदीसेनहीं ॥ ८५ ॥ चित्रमित्रको
चाहिःलषतनलोयनलालची ॥ मतमेलोव्हे
जाहिःनितप्रत्तध्यानकियोकरै॥८६ ॥ महामो
हतमकूपःजानबूझकैसेंपऱ्योःहे ॥ तहाँस्वाद
अनूपःपरपागेजाकूँमिलै॥ ८७ ॥ एहोमिंत्तबि
सार ॥ अत्यकठिनधारीकहा ॥ मारनहूँतोमा
रःकैउबारनिरबंधकर ॥ ८८ ॥ विरहबडीबज
रागःजाकेउरऊपरपरे॥कढैसुधासोंपागः आ

तसनौंबूझैअवस ॥ ८९ ॥ बीतीऊमरमोरः बीतीनिसनबियोगकीः ॥ हाकबहूहैंओरःया यूँरहिहैंघोरतम ॥ २९० ॥ बरसतहैरितुएकउ मँडमेघअतिगर्वजुत ॥ क्यौंनहोहिवितरेकःष टरितुचषबरस्योंकरै॥९१ ॥ प्रेमतरूनिरमूल॥ कियोचहैगुरजनबचन ॥ होतसघनफलफूलः ह्वैससुधाजलपायकैं ॥९२॥गुरजनबचनकुठा रःछेदतनिसदिनप्रेमतरु ॥ छिनछिनबढतब हारःप्रीततोयपोसनकियो ॥ ९३ ॥ छुईनबि पतसरीरःबातबनावैविहँसिकैं ॥ चस्मज ष्मकीपीरःकोजानैंषाएँबिनां ॥ ९४ ॥ दुहादं पतिप्रीतसुपरसपरःयोंभ्यासतद्युतिअंगः बहु तदुरायेंदुरतनाहिंःज्योंसीसीकोरंग ॥ ९५ ॥ मनभींज्योरसरागमैःअधिकबढावतआग ॥

संजोग्यॉंसिंगाररसरबीजोग्यावैराग ॥ ९६ ॥
गजजोबनउनमतचल्यौ: ॥अँचैमेनमदओप:
संकासंकुलतौरिकैं:लज्याअंकुसलोप ॥९७॥

छंदह्वावेत जियरेधकलागीहै विरहानल ज्वालाकी ॥ मानोंक्योंपूछोतुमबातैंमतवाला की ॥ ओरतहमस्यामांउपबनमैंअविलोकी थी:॥झटपटकेलटकेपरनिजरोंकूँझोकीथी॥ओ रोंसबसषियोंकेआगैंचलिआतीथी: ॥रीझीरि झवातीअरुगातीवजवातीथी: ॥दाऱ्यौंकनदाँ तौपरमिस्सीदिलवाईथी: ॥ तापरमिलसषि योंनैवीडीपिलवाईथी:॥ झुकझुकतैलटूकनपर वेसरकेझालेतैं: ॥ प्यारेरसछकियानैंनेनोंकै प्यालेतैं: ॥बासनविचजाहरगतिजूडेकीबाँकी थी:॥धानुपकेनागनछबिएसीउपमाकीथी: ॥

ाजिमपरसोंहैंकरभोंहैंमटकातीथीः ॥ षों
रसिकनकैमनभीतरषटकातीथीः॥लोयनके
ायनपरअलकैदोलटकेथीः ॥ भारीमतकवि
ोंकीउपमांकोंभटकेथीः ॥ चटकीलेचहरेपर
दीछबिदैंदीत्यौंः ॥ चंद्रासनबूडनभाहैंदीसर
ंदीत्यौंः ॥ भोंहैंअलसोंहैंटुकटढोकरभाले
ीः ॥ जालेदिलआस्यककेत्तिनकूंफिरजाले
ीः ॥ आँषोंपरकाजरकीरेषौंअधिकातीथीः॥
यालेमोहोबत्केभरपीतीअरुपातीथीः ॥ वा
ंमुषपंकजतैंक्याअछीबोलेथीः ॥ षातरवा
ःयारेकेचितकीवृतषोलेथीः ॥ साँचेकीढाली
सीबहिंयोंपरसोंहेथाः ॥ मनमथकीफाँसोज्यों
बाजूबँदमोहेथाः ॥ नषरेतैसषरेपरबंधोपरनच
तीथीः ॥ जाचकहुयआँषोंवारूपहिकूँजचती

थीः ॥दावनकेदोरोंपरजरकसूकुछदमकेथीः॥ चकचौंधीपडपडकैऑषोदोयचमकेथीः ॥ दुपटाउडघूमरतैनाभीटुकदरसेथीः ॥ प्यारेकी अभिलाषातरसोथेपरसेथीः ॥तालीकापटका परचटकीकालटकाथाः ॥ भटकाथाषटकाइ कझटकादोयबटकाथाः ॥ झाझरझरणाहटपर जेहरकाझणकाथाः ॥ ठुमकेगतढोलीपरविछु वनकाठणकाथाः॥ भुजउलटणझुकणेपरछूटणगतिभिडतीथीः ॥ झालाजुतगुजरीनगबि जुरीसीझडतीथीः ॥ गौरीसीबँहियोंपरगुघरीगरणावेथीः॥ झुमझुमकैंलहगेपरकाँचीझर णाँवेथीः ॥ जुमलेसँगआलिनकेझूलेंचढझूले थीः ॥ हस्तीमतवालेमनमेरेकूँहूलेथीः॥ मस केतनससकेरसवसकेमदमातीथीः ॥ कातिल

कूँफिरकातिलकरनेंकीकातीथीः ॥ बानिकतैं बागनमैंसषियोंबिचबेठेथीः॥ आस्यकबेला स्यकचषनास्यकबिचऔंठथीः॥जाकेचषअनि यारेलागेसोइजानेंगे ॥ मुषडेकीबातैंबिनभुग तेंकसमांनेंगे ॥ २९८ ॥

दोहा भुजउलटणउकसनकुचन मु सकनभ्रुवत्तिरछाँ ॥ कमरभ्रमनघुमरनबस नउरउरझतगतिआँन ॥२९९ ॥

छंदद्दावेत यारोंनिससोवतइकसुप नांसाआयाथाः ॥ जाकौंलषिमेरेउरआँनदघ नछायाथाः॥ सोउसकूँजाहरकहिकछुयकबत लाऊँमैं ॥ गानांनहिवाज्यबपरकछुयकतोगा ऊँमैं॥देषीमहलायतइकपलकोंकैलगनेंमैंः ॥

वेसीकहिंपेषीनाजाहिरबिचजगनेंमें ॥ उस
कीतैयारीथीमानिदगुलक्यारीके: ॥ जिस्के
थेपरदेचिककिम्मत्तजरभारीके: ॥ सोंधेकेझो
लेउसभीतरउठिआतेथे: ॥ जापरमतवारेह्वैम
धुकरझुकजातेथे: ॥ थीउसमैदीपककीवत्यों
कीमालेंसी:॥जिस्परथीफाँनूसेंमनमथकीजा
लेंसी: ॥ निश्चलसीजोतिनकीउपमाँदरसावे
थी: ॥ मोनीवैरागनमिलिब्रह्महींकौधावेथी:॥
उनहींआवासोंढिगसुंदरबागीचाथा:॥मांनहु
द्रुमसारेजलअंम्रतकासींचाथा: ॥ जामैबहुके
कीअरुकोकिलमिलबोलेथे: ॥ उरझेमनवा
लोंकीगांठेसबषोलेथे ॥ बैठीथीबुलबुलउस
भीतरवहुन्यारीसी: ॥ आँषोबिचसवहीकेल
गतीअतिप्यारीसी: ॥ मिजलसउसजग्गेंकी

एसीदरसावेथीः ॥ उपमाँकौंहेरत्तमत्तमेरीघब
रावेथीः॥ थेउसमैंकारीगरगानेकेकामिलवेः॥
गाफिलहुइजावैसुनिअच्छेद्रढआमिलवेः ॥
आसवकेसीसेरँगरँगकेमँगवायेथेः॥ प्यालेम
नवारेजुँतसबकूँपिलवायेथेः । षिचतीथीका
फिरनींसारंग्योकूदेथीः ॥ चतुरोंकीपँसल्यौ
बिचकूकेनुँहूकेथीः ॥ तबलोँसिरथापीलगल
च्छैपरदोंकेथेः ॥ मानोघटदानूंवपूरनदरदोंके
थेः ॥ सारातनआँषौंबिचआतसकास्वाला
थाः ॥ काँनौंबिचजाकेलघुदाँमनिसावाला
थाः॥ तानौंकोउपजौकरकाँनौंधरलेतीथीः॥
आस्यकमतवालेगजअंकुससिरदेतीथीः॥ ह
सनाकहिबोलोंकूँतीषेद्रगकसनाथाः ॥ फेलों
कीघातूँबिचनाहकदिलफसनाथाः ॥ पाऊंध

रडिवडेगतिझूमैझुकजानाथाः॥हातौंकीघातौ कमनैतीदिषलानांथाः॥ जिनकेमुषआगैकुस मायुधसरमाताथाः॥इनकीसीउपमाकूँवोभी कवपाताथाः॥ उनकेकरकंगनसँगचुरियोंयों चमकेथीः॥उरपरसबमिजलसकैसीरोंयोंझुम केथी॥ यारोंसबबीततहीआँषौगइमेरीषुलः॥ जगनेंपरआयानहिंनजरोंबिचअेकोगुल ३००

अथश्रीमहाराजकुवारकृत् पद टपा ष्याल ठूमरी लि ष्यते॥भीमपलासी॥

दिलदेदीदेषोलदिवानेंः रबदीकुदरतदेषजल विंदूतैंदेहबनाई ॥ विवविधभूषनभेष ॥ बो लतगिराअमृतसमसुंदरःजाकेरंगनरेष॥दिवा

नेर०॥ १ ॥ पाँचतत्वचेतनकाहेतैंडोलत्तविविधिविसेष ॥ जाविनशुष्ककाष्टवतछिनमैंः सोहीपुरुषअलेष ॥ दिवाने० ॥ २ ॥ मातपितःबंधूत्रियभाईःमीत्रीपुत्रसुवेष प्रानत्रयाँनसमयसबथाढेःकरतकुलाहलपेष ॥ दिवाने० ॥ ३ ॥ कामक्रोधमदलोभमोहबिचः ॥ बूडेसबउनमेष ॥ नरतनमूढकरत्तगरुवाई ॥ तूँउरुपाकपरेष ॥ दिवाने० ॥ ४ ॥ सारंग ॥ झाँबीचालौंथारीलार ॥ पीहरियेझाँरे ॥ डूंगरियाहरियाजलभरियाः सूराँतणीसिकार ॥ नटनागरहररुयांमनकररुयांमदडारीमनुहार॥२॥फगुवा॥नटनागरमचलरह्योमाई ॥ नटनागर ॥ होतअकेलोत्ततोषबरपारत्ती ॥ एरीसंगलिएहलधरभाई ॥ नटना० ॥ जादिनमुकटपीतपटछी

न्यों ॥ एरी वा दिनकीसुदविसराई ॥ नटनाग
र० ॥ ३ ॥डफबाजतगजबगरूरभरे ॥ नट
नागरकीबिजयउचारत ॥ द्वारद्वारहुरिहारषरे
डफ० ॥४ ॥ डफबाजतकुटिलकन्हाईके ॥ नट
नागरकेधीटलँगरकेहलधरजूकेभाईके ॥ ५ ॥
जमुनाजलभरनकठिनआली:जमुनाजल:॥म
धुरम्रदंगझाँझडफबाजै:गतनाचतहैबनमाली
॥ निलजनिसंकनिपटनटनागर जाहिताहि
कौंदेगाली ॥ ६ ॥ मनलाग्योझाँरोनँणदल
क्यूँवरजे ॥ नाहिनसंकनिसंकभईमें:उँमडघु
मडगोकुलगरजे नटनागरसौंमिलूँउजागरत्रा
सवताएँकोतरजे ॥ मनलाग्यो० ॥ ७॥ डफ
आगैंजाबजारैसारेभरमधरै ॥ डफ० ॥ सास
कीत्रासउदासरहोंहों:ननँदीनाचणँहासकरै ॥

नटनागरपगफूँकधरैंतोउः चतुरचुगललषि
चोंकपरै ॥ डफ०८ ॥ नटनागरछेलअनोषोरी
नटनागर ॥ हमेंतुह्मेंडरनाँहिसषीरीः ज्योकु
लवाँनतिन्हैंधोषो ॥ लालगुलालअंगलिपटौं
नैंःस्यामबरनतनचोषो ॥ मोरमुकटपीतांबर
सुंदरः ॥ कुंडलकोहदझोषो ॥ नटना ॥
॥ ०९ ॥ दादरो ॥ प्यारेप्यारीकरकैंबिसा
रोगे ॥ कैसेंरहैंगेप्यारेप्राँन ॥ नटनागरडुष
दापसहौंगीः॥नाँकीजेहितहाँन॥प्यारेः॥१०॥
॥ कहरवो ॥ ननदीकाहेकौंभुहारबाँकेकस्यो
हीकरै॥मेरीलागीबिहारीजीसूंलागलागलगी
कुलकाँनकेऊपरअबहीधरदीआगननदी॰ न
टनागरसूँमिलूंउजागरःतनमनधनसुषत्याग
॥ ननदी॰ ॥ काहेकौअधरतेरडस्योहीकरै मे

रीलागीमोहनजीसोलाग ॥ ११ ॥ काफी ॥
दीपचंदी ॥सषीरीआजस्यामअनुरागरँगे:मो
सोषेलनआएफाग॥ उरद्वेचिन्नअवरपदअंकि
त:तुरतसेझसुषत्याग ॥ चिंवुकअरुनअधर
कजरारे:रहेमहाश्रमपाग ॥ सषी० रदछदरेष
नषच्छितलागे:कियेनैंनरतजाग ॥ नटनागर
औसीछबिनिरषैं:उदयभएममभाग ॥ सषी
री० ॥ १२ ॥ मांऊ्याहीमनास्याँरूठो । छ
एधूलोम्हासूँहे ॥ ओलूंभासुणांलाहेली ॥ ओ
ठाहीसुणास्यां ॥ नागरनटसमुझास्यां॥१३॥
वंसीमनवसकरमतमार॥वैरनहाथलगैकातैरै।
तेरैदुषअतिदुषितभईहूँ॥जासोंकहतपुकार ॥
नटनागरवेदरदनिठुरहैतूँतोनेकबिचार॥१४॥
सषीरीआजस्यामकूँपकरनचाऊं:तोव्रषमाँन

कुमार॥अंजनआँजकरूंद्रगकोरे:गहिडारौंउर हार॥ चोलीचारुचटकरँगचूनर:पायनपायर पारसषी:बींदीभालकानबिचझूंमर:विनता ज्यूँगुहिबार॥ नटनागरऐसीछबिनिरषों:फेर करोहुरिहार:सषी:॥ १५॥ देस॥ म्हानेतो लारॉलीज्योराज:थाँकारणकुलकॉणगमाई॥ छेहनदीज्यौराज:म्हा:॥ नटनागरव्रंदावनको नीं:वामतकी। ज्योराज॥ म्हाने०॥ १६॥ आँषाँलाँबीतीषीबाँकीमुरडभरी॥ रुडिमुरड भरी॥ नटनागरऊँचीपुनिनीची:बाँकीओर तिरीच्छी॥ बाँईसलजदाहनींचितवनें:बिषमं डसतजनुँबीछी:आँषाँ॥१७॥ लोयणबिचफेल भरयोछेकेफंद:कपटभर्योछेकेप्रीतभरीछे:भू तभर्योछेकेजंद:॥ नटनागरह्मॉनैठीकपडी

नहिं:साँचीकहोजीमुकंद:लोय: ॥१८॥ काँईं
विषघोल्योराधेनैणाबीच: घोल्योसोतोचषअ
णियालानागरभौंहनगीच ॥ नटनागरनेंजह
रचव्योछेसुधाद्रष्टिकरिसींच ॥ काई १९ ॥
मान्याहींन्हाषैछैथाँरासौंह ॥ नटनागरतिरछ
सीचितवन ॥ जगठगणीछेलगणीभौंह ॥ मा
न्या० ॥ २० ॥ देष्याईजीवाँछाँप्यारासेण: ॥
अजकलगीछेअबतो ॥ देष्याई० ॥ झलमल
मुकटकुंडलरोझालो:बालालागेछैथाँराबेण:दे
ष्यां: ॥ नटनागरनिरषणदोनषरो:मतजीचुरा
वोबाँकानैण ॥ देष्याई० ॥ २१ ॥ आछाँरी
ज्यौआपम्हानैंबिसरमतजाज्यौ ॥ मथुराँजा
यज्यौछायरहोतो:पतियाँवेगपठाज्यौ ॥ नट
नागरऊजडकरचाल्या । व्रजहरिफेरवसाज्यौ

॥ आछाँ० ॥ २२ ॥ होजीहटच्छाँझेराधेजी
निपटनिठुताईजोर आपतणाँझगडामैराधेअ
बतोह्वैहैंभोर नटनागरनिरषणदोनषरोःकरो
जितिहाँरोगूँघटकोर ॥ २३ ॥ बना ॥ बनीचि
तलाजमनोजसँतावै दोउबीचजियादुषपावै॥
ब० ।लाजकहतनटनागरलिषनाःमदनसल्हा
उलटावै॥ऐसीरीतविलोकितलोकिकःचतुरन
केमनभावै॥२४॥बनाजीथाँरीसूरतमदनसँवा
रीसबनिरषछकेनरनारी ॥ रतनजटितसेहरा
सिरसोहतःकिलँगीकीछबिभारी ॥नटनागर
दुल्लहउतदुलहनः श्रीवृषभाँनदुल्हारी॥२५॥
बनाजीथाँरीलटकचालपरवारी ॥सबनिरषछ
केनरनारीबनाजो ॥ सूवापागकेसरियाजा
माँःजापरगजबकिनारो ॥नटनागरऐसीछवि

निरषत:दुलहनराधाप्यारी ॥२६॥निपटअनो
षालोयणमुरडभऱ्या ॥ अतिअलसाणउनीद
पणसूँ:जनुदोयलालधऱ्या: ॥ नटनागरक्यूँक
पटकरोछोजाहरजागकऱ्या ॥ २७॥ सोरठ ॥
काँईअणियालानेणालागभरी ॥ अ॰ ॥ जोदे
षजाकोमनहींमसतहै:केसीजकपकरी ॥ नट
नागरविनमोलकीचेरी:गोपीआगभरी ॥ २८
ह्माँनैतोकरोहीगाजीदिलसूँदूर: ॥ नवलनेह
कुबज्यासूँकिनौं:उणकेरहतहजूर ॥ ह्मासूँतो
अपराधबण्योछे:भूलोक्यूँनँजरूर ॥ नटनाग
रकेदोयमुसाहब:वेऊधोअकरूर ॥ २९ ॥ ओ
लूडीआवैछेनिराट: ॥ ओजोओछोगालाथां
रीह्मनै:ओ: ॥ प्राणपतीजीऊमरह्मारी ॥ बी
तीजोतांवाट ॥ नटनागरक्यूँविलमरह्याछो:

विकटहुवाकीघाटःओः॥ ३० ॥ हेलीह्मानैनि
दियाँनआवैछिनछिनबिरहसतावैहेलीःनटना
गरसुदभूलगयाछैःकुणबाँनैंसमुझावैःहेली ॥
॥३१॥धीराधोराहालोराबिहारीजीःलाराँथा
रीआवाँःसबसषियांह्मांरीगेलपडीछैःपाछी
फिरसमुझावाँ ॥ नटनागरथाँप्रगबकरोछोःह्मे
छानैंछानैंप्रीतछिपावाँ ॥ ३२॥ दुषमतदीजो
जीप्रीतलगायः ॥ होजीरूपाबचनारोजी ॥
फीकानयणारोजीःदुषमत्तदीजोजीप्रीतलगा
यः॥नटनागरव्रजबालविसारीःयूँनविसारोहा
यदुःषः॥३३॥प्यालाबाल्हीकरदीज्योनाँसुरत
बिसारः होजीमनमोहनप्पाराजी॥ बाल्ही०॥
छलबलनिपटकपटपटकरणीःराषतहोरिझवा
र ॥ नटनागरसुनगोपियनकीगतःडरपतप्रा

नअधार॥ ३४॥कालिंगडो॥लाग्यौथाँरानैणा
रेसलूणोपाणीलाग्यो ॥ लोकलाजसवहीत
जदीनीं:गुरजनरोभयभागो:नटनागरज्याने
छेहवताओ:सूताछोकिनाजागो॥लागो० ॥
॥ ३५॥ दीठोथाँरीप्रीतरोपतंगीरँगदीठो ला
गतवेरकसूँवोसोलाग्यौ ॥फेररह्यौनहिंछीटो
नटनागरह्मांबहुतरचायो:नाँहिनहोतमजी
ठा॥दीठो ॥ ३६ ॥ रसियाजीबेराजीबोलो
जीभलाँ: थाँराचितरोचाह्योकीनौंजीभलाँ ॥
ज्योचाह्यौसबहीथाँकीनों:मनरीगाँठाषोलो
जीभलाँ:नटनागरमेटीजेझगडो: लीजेनवल
माहोलोजीभलाँ:रसि० ॥३७॥ दादरो ॥ ला
गीलागीजरूरभोरिनजरकहुँलागी ॥नटना
गरकोसोंहकरतहौंविरहविथातनजागीजरू

र ॥ भोरी० ॥ ३८ ॥ लागेलागेजरूरनैनाकु
टिलकहुँलागे ॥ नटनागजाहरगुनगुनियत:
प्रेमउदधिकहुँपागे ॥ कहुँपागेजरूर ॥ लागे
लागे ॥ ३९ ॥ बाँकाथाँरानैणअदाँकाउडला
गै ॥ लागतहीसुधबुधबिसराई:रोमरोमविष
जागे ॥ नटनागरतनमनधनसोंप्यौ: ॥ अब
कहिजियरोमाँगै ॥ ४० ॥ घणासाघरघाल्या
नोषानैणानैं: ॥ घणा० ॥ इणव्रजकीउपहाँस
नअटक्या:होयमसतमदहाल्या ॥ १ ॥ नटना
गरबरज्यानैहिंमानैं:बरजतहीबढचाल्या:घ
णा० ॥ ४१ ॥दीठीधीठानैणारीअनोषीगतदी
ठी अंजनसहितबिहदहदबाँकी:मदछकलाग
तमीठी ॥ नटनागरउरकंपकढणकूँ:अदभुत
दोयअंगीठी ॥ ४२ ॥ मदछाकेनैणावाँके:

विनअंजनअधिकअदाँके ॥ कंजषंजम्रगमी नविनंदित:होतकटीलेढाँके नटनागरउरपार कढतहै:निरषतनैकनिसाँके ॥ ४३ ॥ मोरैने नारहतर्छबिछाके:छाके २ अधायमोरें० नागर नटलषिलटकरीझिगे:येरिझवारअदाँके ॥४४ कालिंगडो ॥ कहोजीक्यूँनआवोआवोम्हारेदे स ॥ मूरतकोटिमनोजलजावण:क्यूंदेषणतर सावो ॥ नटनागरज्यौंढीलकरोला:तोपाछैप छितावो ॥ कहोजी० ॥ ४५ ॥ सोयनी ॥ ष मॉषमाजीकरहारीपलब लियाथानैं:अंजनअ धरपीकपलकाँपर। ईछबिरीबलिहारी ॥ नाग रनटअलसाणअनोषी:छायरहीछबिथाँरी४६ ॥ परज ॥ उधोजीक्यूंलायाकागदकपटभ र्या:जोअकरूरकरीसोइजाणी:थाँराकरतक

न्यानटनागररोओनभरोसोःविसरायांविस
न्या ॥ ४७॥ कहताळजावाँछाँजीओगुणथाँ
रा ॥ उत्तमप्रीतकीरीतनजाणोःनीचप्रीतवस
ज्याँरा । नटनागरछोजीथाँनिरगुणःक्यौरी
झोगुणम्हांरा ॥ कह० ॥ ४८ ॥ उधोफेरप
धारेहोव्रजमै ॥ प्रथमआयउरजारगएथेःकछु
करहेअबजारे ॥ ऊधोवेगासिधारोव्रजतैंःतुम
जीत्येहमहारेःनटनागरसोँयोँजाकहियोःकुब
ज्याकौंनबिसारै ॥ ४९ ॥ ऊधोजीकरोछो
आछीबाताकूडी ॥ ग्यानभक्तिवैरागसिषा
वो ॥ एक्यूँलागैरूडी ॥ नटनागरपणजो
गलिषेछैःप्रेमरीतसबवूडी ॥ ५० ॥ माधो
जीपठाईपातीग्यानभरीःप्रेमसुधारसमूरलि
ष्योनाःविषकीपोटधरी ॥ नटनागरइतकी

सुधबिसरीःकैसीकठिनँकरी ॥ ५१ ॥ उ
धोजीथाँरैसोमणतेलअँधेरः । जोगसिषावत
भोगकमावतःवाकुबजाकीबेर ॥ नटनागरछै
चोरजनमकाःसकैप्रकासनहेरःउधोः॥५२॥ठु
मरीमुलतानी ॥ज्यानीजीसैजुद्दीमतकीज्योंरे
॥ मतकीज्योदुषमतदीज्योंरे । नटनागरतेरी
चेरीकोःछिनछिनमैसुधीलीज्योंरे ॥ ५३ ॥
ज्यानीतोसोंकबूनाबोलोंरे ॥ नाबोलोंनाबो
लोंनाबोलोंरे ॥ नटनागरतोसेकपटीसोंकपट
गाँठनाँषोलोंरे॥ज्यानीज्यानी० ॥५४॥प्रेमन
गरकोपंथनपूछ्योगोपिनतैंःतुमप्रेमन० । नट
नागरकछुरीतनजाँनीहोकुबज्याकेकँथः ॥नपु
छ्योगोपिनतैतुम ॥ ५५ ॥ सोवनदेसैयाँनेक
ढरकगईआधीरे ॥ नटनागरअतिनींदसँताव

तः नीठसमेंअबलादीरे ॥५६॥ टपाजिलाके॥
षेडोंदाजाणानहिषूबमियाँवे॥नागरनटषटलो
गवहाँदे:सबजालिममहबूब:मियाँवे ॥ ५७ ॥
छँदडेजाँनीतैंडेवेजिदडीमैंडी ॥ जानीतूं ॥ ना
गरनटतैंडेदेषेबिन:बेकलियाँदिलनू ॥ ५८ ॥
हरदमरेंदीतैंडीयादमियाँवे ॥ नटनागरतैंडेवि
नमैंडा:दिलकरदाफरियाद ॥ ५९ ॥ इस्कोंदा
उलझैडनसुलझैगा:ज्यानीवे ॥ नागरनटअब
क्यौंघबराँदा:ज्यौंनिवडेज्यौंनिवेड ॥ ६० ॥
साँडेनालबेदिलनूँकिताबरबाद:नागरनटज्यौं
ज्योंदुषदैंदा:कितकरदीफरियाद: ॥ ६१ ॥
अैधुलापनाँसूँहेलीहे:माड्याँहींमिलाँलानागर
नटह्माँसुँमुरडरत्याछे ॥ दाँवणजायझिलाँल
॥ ६२ ॥ प्यारेसाढेंमुपडेन्दाझमकादिषलादे:

॥ हाहातैंडेमुषडेंदा: ॥ नटनागरकछुओरनचां
दा:अजदीदारछकादे ॥ प्यारे ॥ ६३ ॥ झाँकी
करादैतैंडीबाँकीनजराँकीमानू० ॥ नटनागर
वेअदाँकीआँषे ॥ विषलानेविचकीदुषसानूं ॥
॥ ६४ ॥ भैरवी:ठुमरी ॥ नैनाहमारेदुष्यारेभ
एसपियाँनँदवारेकारेबिनां ॥ कारेबिनाबँसी
वारेबिनानटनागरद्रगउमगचलत्तहैं: ॥ प्यारे
तिहारेनिहारेबिनां ॥ ६५ ॥ झंझोटी ॥ मचल
रह्योव्हषभाँनललीसौं: ॥ नटनागरचितबहुत
निठुरहैकटिकुचमारेगुलाबकलीसा:मच:।६६
मिठडीतैंडीमैमोठेबोलसुणाजा ॥ मानू ॥ ना
गरनटइकगल्लसुणादे:जाबिचबारलगैकीसाँ
न ॥ ६७ ॥ जटियाँदेजालिमनैणबचाणा ॥
जाहरनैणजटीदैजालिम: ॥ तूँकीकारणहोत

निसाणाँ ॥ ६८ ॥ साढीगलियोंबिचआणान भादासान् ॥ गोरेंदेनालयारदीबातें ॥ दिलउ स्याकडुषाँदाकानूँ ॥ ६९ ॥ फाग ॥ अकेली पारकैमोकूँरँगमैभीजोयडारीरै ॥ धीटमोकूर गमैभी ० कुटिलमोकूँ ० । नागरनटतोसोंसम झौंगीः ॥ निठुरमोकूँपकरभिगोयडारीरै ॥ द यारैमोकोपकरबिगोयझारीरै ॥ निलजमोकूँ प० ॥ ७० ॥ पनघटपरझुरमटजटियोंदाः ॥ जटियोंदानटषटियोंदानटनागरवहैवाटकढो कोउःझटपटह्वैदाषटियोंदा ॥ ७१ ॥

ठुमरी जीराजायरेनजरियाँलागी॥नटना गरकोइवेदबुलाओ ॥ अजबविथातनजागीः॥ जीराजायरे ॥ ७२ ॥ षुमाच ॥ उधोजीविसा रीह्मांनैमथुराँजाय ॥ ह्मांतोप्रीतकरीछीवाँसूः

कुलकीरीतँगँमाय: ॥ नटनागरसारीसुदभू
ल्या:कुबज्यादोलतपाय ॥ ७३ ॥

॥ इतिरागष्यालटपासंपूर्णम् ॥

सवैया गहिबाँधेजसोमतिऊँषरसोंतिन
कोचितक्षोभसल्यौकरिये ॥ गुघरारेलटाभरे
गोरससूँभयेधूसरधूरबल्योकरियेनटनागरचा
हचढीचितमैं:तिनकौंचितचारुचल्यौकरिये ॥
अहोमाँषनचोरएहीछबिसों:मेरीआँषनबीच
रल्योकरिए ॥ १ ॥ मोरकेपाँषनकोसिरभूषन
काँपनवेतगल्यौकरियेतबताछिनकीछबिकैसें
कहौं:लषिलाषनमैनदल्योकरिए ॥ नटनागर
भाषनवीचनहीं:नितदाषनस्वादलल्योकरिए
॥ अहोमाषन० ॥ २ ॥ गुंजहराहियरेबिहरेत

नधातबिचित्रलस्योकरिये ॥ बँसुरीबनमाल
कँधाकमरीलकुटीकरबीचगस्योकरिए ॥ नट
नागरमोरपषासिरभूषनगोधनसंगबस्योकारि
ए ॥ अहोमाषन० ॥ ३ ॥ गुणहींविनुहारहिये
उघरेद्रगलालनलालीबस्योकरिये ॥ अधरांन
पैअंजनभालमहावरभूषनअंगहयोकरिये ॥
पलपीकलग्यौनटनागरजूअलकैंविथुरीउम
स्यौकरिये ॥ अहोमाँष० ॥ ४ ॥ यहवेनीगु
हीगहिकैललिताःसिरचूनर चारुसस्यौकरिये
॥ कीनचोलीरचीअतिचातुरीसौंनथबैदीवि
साषाबस्योकरियेनटनागरपायरपायनमैंत्रष
भानसुतायौंचस्यौकरिये ॥ अहोमाषन० ॥
॥ ५ ॥ मघवाजबकोपकियोव्रजपैवहैकोपको
लोपबस्योकरियेगिरिगोधनधारिउबारिकैगो

धनगोपरुगोपीचत्यौकरिये ॥ नटनागरबेन
धरीअधराँनहिप्रीतिवियोगसत्यौकरिये ॥ अ
होमाषन० ॥ ६ ॥ बलकेसवधायधरीमथनी
नवनीतभरेसुचत्योकरीये:इतदेहरीद्वारषरीज
सुदासुततक्रभरेसुलत्योकरीये:नटनागरला
लसुनोंइतनींअबमेंज्यौकहूंसोकत्योकरीये:
अहोमाँषनचोरअे० ॥ ७ ॥

निसाणीसिरषुलीमहाराज रतसिंहजीकी

तपतजिहाँसिरआली: दिल्लीसहरस्याह॥स्या
होंसीसकमाली: आदिलसाजिहाँ ॥ दहस
तजाहिकराली:सातोंसांहसिर ॥ तिनदाहुक
मअदाली:उपराहिंददै॥ फरजंदबहुतषुसाली:

अरबहनोबाहार ॥ ओरंगदषणउथाली: पूरब
सुजस्याह ॥ मुहुमोबहुतकरालीबगसीबात
स्याह ॥ पुरबदषणउथाली:तगोंमारमार ॥
बोहोतदिनौंबहाली:औसेंहीरही ॥ दिल्लीउ
परहाली:सेनदुहूंनदी ॥ अकबकधरबेहाली:
मोलाक्याकरै॥ स्याहजिहाँसुनहाली:दरदाँ
बीचदिल ॥ बाईसीसिरघालीजेसिंघजेनग
र॥ पूरबमथ्थेचाली:सहसौंकरनजँग ॥ ओ
रंगसीसहकाली: नवषंडमारवाड:सित्तरषाँन
धमाली:वहत्तरउमराव ॥ जसवँतमूहअगा
ली: बोलत्तआफरी॥ साहहुकमसिरझाली:
अदबबजावरद ॥ दस्तवस्तमुहलाली:सह
सोयूँअषां॥ हुकमकहासहसाली:बंदारूबरू
॥हुकमदादरुहआली:ओरँगपाकसाक॥ वा

रव्यावकरचाली:सेनजसाहुदी ॥ तेगदस्त वरझाली:फीलसवारहै ॥ दस्तमूँछवरघाली: जसबँतयौअषै ॥ फोजकरोंबेहाली: ॥ पकडूँ पातस्याह ॥ सेनचलीधरहाली:दंत्तबराहडिग ॥ लचकैसीसफनालीच्यारौंदिगडोल ॥ कछपपीठतपाली:मरदौंमचकलग ॥ नदियों थकितरहाली: सुनजसवंतनू ॥ समदसोषभयपाली:षंगेतेगगहि ॥ अैसीसेंनजलाली:बरओरंगजेब ॥ षेतउजेणसझाली:तेगौंतीरकज ॥ ओरंगसुनअहवाली: सोजसतनबदन॥ दढौंकूँचढियाली:बीबबहुतसँग ॥ जमउरबीचदहाली: जालमतुरकलिय ॥ चीतेसेरलेयाली:मारैमूँकियो ॥ पीयेमदबहुझाली:नुकलकयजूँमसा ॥ मुगदरवोहोतबिसाली:षूवहि

लाँवदे ॥ तीरंदाजअकाली:मारैमोतियौं ॥ दे
षणाष्यालकराली: ओरँगनौअरुज ॥ हल्ली
सैनउताली: पोसदआपताव ॥ पिछ्लेरहेत्र
षाली: अगलौंआबमिल ॥ दोऊसेनसुथरा
ली:अंषौसैंअषी ॥ जसवंतफोजसैंभाली:भ
इयारतनकहाँ ॥ फिदव्यौनेगुजराली:राजारत
नपुर ॥ साजजूदगयचाली:लेणरठोडनूँ ॥
सुरथलिषेरतनाली: । दिलह्वाबाकबाक ॥ षत
नजरौंबिचभाली: ॥ तोसाषानषुट ॥ बगतर
झिलमकडाली:सुंडौपष्यरो ॥ सकलीगरौंउ
ताली:हक्ककूबकू ॥ सेफौ बोसुथराली:अंगुल
बाडषिच ॥ रतनागरउमगाली: बरसिरसह
जदौं ॥ त्यारकियेतेजाली: चढियेउरसपंब ॥
मनाघटाकजराली:बादरजोसआव ॥ वहदीज

मुनकराली:मिलसामुद्रमझ ॥ रतननजरविच भाली:जसवँतभारधर ॥अबअषबारसुनाली: कालेगिरँदनू ॥सुनकैभइषुसाली: जंगबिचगु सलदी॥सबबीततनभलाली: चषतौंपैलिषै॥ दिल्लीतषतकराली:तेगौंवाडपर॥औरंगसुनअ हवाली:आगव्रजागजग ॥ नोरंगउलटकहा ली:बोहोतहैषूबवात ॥ तोपैदगतकराली: फोजोहलचलीअषअलाअलयाली:षीवरषूट ए॥ हरियक्वागोंहाली:टूकपहाडदे॥बाजैषग इकताली:वररुषमुगलयो॥षागौंवाडषराली: आपसबीचषूब ॥ देषनष्यालकपाली:भागे ध्यानतज ॥ चौंसटलषषपराली:हडहडहँस तवे ॥ कलकैबीरकराली:हलकैसाकण्यौ ॥ गोराकालाकाली:विह्वलह्वैरहे ॥ भूतप्रेतढिग

चाली:मानोकरनवत ॥ हूरपरीसबकाली:मानोभंगचित ॥ छंडवेमानौचाली:सिरपररतनत्रास ॥ गोकुलतुरकबिलाली:सुरपतरतनसी:॥तेगोंत्रझडझडाली:पहरोंतीनलग ॥ रुधिरनदीउबकाली:मथेमछरूप ॥ मीनतडफज्यौजाली:बगतरबीचधड ॥ ग्रीधअंतलेचाली:जनुपतंगडोर ॥ रतनपडेरणषाली:ओरंगधूअडग ॥ तषतादिलीअलआली:दादनतुरकरा॥उमरावौंबेहाली:रंकौसरफराज ॥ जीताजंगकराली:करमकरीमदे ॥ बरमरदुमषुदआली:चाहेसोकरै ॥ कितेरहालकहाली:रतनेरदनदा ॥ १ ॥

सोरठा षागाँबलषेडेच:तैझंझियोओरंग तुरक ॥ घणपडदांबिचघेच अथमायोमाहेस

उत ॥ १ ॥ ओरंगआगव्रजाग:प्रलेकालपस
रुयोप्रथी ॥ लुवाँचरसणलाग:सुरपतदूजोरत
नसी ॥ २ ॥ ओरंगअडआकास:हिल्लोहलक
रहालियो ॥ सीहाउतकरहास:ऊफणतोरा
च्यौअवल ॥ ३ ॥ ओरंगगयणअधारभुजाँ
तोलआयोभिडण ॥ जहरसंकरजिमजारउ
भोतूँमाहेसउत ॥ ४ ॥ रयणागिरराठोड़बल
काढचोतैबीबरो ॥ लड़लोहाँसूँलोड़:पाधरतै
कीधोप्रगट ॥५॥छकियोगजछंछाल:ओरंगयूँ
डाणाँलग्यौ ॥ रतनलँगरपगलार: तैबाँध्यो
माहेसतण ॥ ६ ॥ ओरंगलहरअथाह: चढी
घणीचोंडाहरा॥गयंदषुराँसूगाह तैदाबीमाहे
सतण ॥ ७ ॥ ओरंगभमंगअथाह:बाईबंध
वादीवणे ॥ सेलउडदकरसाह: कंडियाबिच

शुद्धाशुद्ध पत्र नटनागरविनोद.

अशुद्धम्	शुद्धम्
जुहेऽहै	जुदेऽहै
रतवीव	रतवीव
नैंबाँन	नैंनबाँन
तनरंग	तनरग
तरसोथे	तरसेथी
तिरछाँ	तिरछाँन
विवविध	विधविध
व्रषमाँन	व्रषभांन
तिरछ	तिरछी
च्छाँझो	छांडो
उनीद	उनीदा
प्रगव	प्रगट
नटनाग	नटनागर
पलवलिया	छलवलिया

पृष्ठे	पंक्तौ	अशुद्धम्	शुद्धम्
१२८	१४	गोषिन	गोपिन
१२९	१३	झिलांल	झिलाँलाँ
१३०	१०	कलीसा	कलीसों
१३०	१३	न ॥८७॥	नूं ॥ ८७ ॥
१३१	३	डुषाँ	दुषाँ
१३१	७	झारीरे	डारीरे
१३५	४	औसें	ऐसें
१३७	८	सुरथ	सुथर
१३९	१३	झंझीयो	डंडियो
१४०	२	स्योप्रथी॥ लुवांचर- सण	स्योप्रथी॥लुं- वाँवरसण
१४०	१०	लार	राल

इति शुद्धिपत्रं समाप्तम्.

॥ श्री ॥

शुद्धाशुद्ध पत्र नटनागरविनोद

पृष्ठे	पंक्तौ	अशुद्धम्	शुद्धम्
१	१	जाय	जाप
२	३	थ्ववि	थ्थवि
२	१०	श्रीगुरुशुप	श्रीगुरुभूप
४	२	अभेय	अभे
४	४	तिशुप	तिभूप
४	१०	भूय	भूप
८	१	पहर	पहार
		ज्ञीन	ज्ञीन
१०	१	मानन	मान
१०	३	सोंही	सोही
१०	१४	हीरघुरम्यों	हीघुम्यों
११	८	सरोवर	सरवर
११	१२	वानी	बानी
१३	९	कर	करे
१३	११	भूकेकी	सुकेकी
१४	३	घटासे	पटासे
१९	८	गुरूलो	गुलों
२०	६	अषारेकी	अपारेके
२५	१	मरन	मनन
२७	८	नटगागर	नटनागर
३०	१३	न्यारी	नारी
३२	१	वाँरसुरी	वाँसुरी
३२	३	डुप	दुप
३३	९	निहारातें	निहारीतें
४०	२	झिपो	छिपि
४०	४	पल्लाव	पल्लव
४०	७	विछोरी	पिछोरी
४१	१२	गोणेरे	गोएरे
४८	१२	पागाय	पगाय
४८	१४	रूपेमुष	रूषेमुष
४९	११	रुकु	रुकुं
६४	६	नटनाग	नटनागर
		पयान	यान
६५	१	वतोनक	जानजि
		छुगीनी-	पीछेफिर
		हान	जानमें:क
			कोंपिछा
			वतोनको
			गीन्योह
६५	१४	परत्रो	पऱ्यो
७०	५	कतन	कथन
७२	१२	स्योंहे	न्योंहे
७५	१	वसंत	वसत
८१	१०	मचि	माचि
८५	१०	नसहथो	नसलाह
८६	१०	सुनीकहेंथा	सुनीहेंक
८८	१०	यासा	यासों
९३	६	हकलिके	हेकलिके
९४	१	छिएहें	१७५ एहे
९६	११	जहार	जाहर

घाल्योकमध ॥ ८ ॥ हरणाइकपतसाहः धूध करेदाटीधरा ॥ बाँईबंधबाराहःतैकाढीमाहेस तण ॥ ९ ॥ ओरंगतिमरअपारः पसन्यो यलउपरप्रबल ॥ जकेअंधारोजार तूँऊगो माहेसतण ॥ १० ॥

इतिश्रीमहाराजकुवारश्रीश्री १०८श्रीरतनसिंहजीकृत नटनागरविनोदसंपूर्णम् ॥

कियेहै तिन ग्रंथोंके वहोत स्थलोमें भेदवादी नैयायकोंका मत लिखाहै कहीं खंडन करनेके लिये कहीं दृष्टांत रूपकरिकै परंतु तिन वेदांत ग्रंथो विषे नैयायकों के पदार्थ विस्तार पूर्वक लिखे नहीं और बहोत स्थलोमें तिन पदार्थोंके नाममात्रही लिखे हैं इसलिये पठन करने वालों के समझमें आवे नही इसकारण बहोत लोगोंकी प्रार्थनासे श्रीस्वामीजीने यह ग्रन्थ रचकर तयार किया और इस ग्रंथमें कणादि मुनिप्रणीतवैशेषिक शास्त्रके द्रव्यादिक सप्त पदार्थोंका तथा गौतम मुनिप्रणीत न्याय शास्त्रके प्रमाणादिक षोडश पदार्थोंका विस्तार पूर्वक निरूपण किया है. और प्रसंग पायकै मीमांसा शास्त्रके मतका तथा वेदांतशास्त्रकेमतका तथा बौद्धोंके मतका तथा चार्वाकोंके मतका तथा आर्हतजैनोंके मतका तथा अन्य भी बहोत मतोंका निरूपण कियाहै तथा तिन मतों का यथा योग्य खण्डन भी किया है और इस ग्रंथमें द्रव्यादिक पदार्थोंका लक्षण तथा अनुमान तथा वेद स्मृति आदि वाक्योंकों ( ) ऐसे कोष्टकांतर्गत यथावत लिखकर तिस्का भाषामें विस्तारपूर्वक वर्णन किया है इसलिये ये ग्रंथ भाषा वेदांत शास्त्र तथा न्यायशास्त्र पठन करनेवालोंके लिये अतिउपयोगी है इस लिये २०००० ग्रंथकी प्रशंसा कहांतक लिखे ? देखनेसे इच्छापूर्णहोगी, मूल्य डांकव्य यसहित ८ रुपये

इति

नटनागरविनोद

समाप्त